हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • बुधवार • 09.07.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 345 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

आज रांची आएंगे सीएम हेमन्त, 11 को करेंगे कैबिनेट

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन लंबे अरसे के बाद आज बुधवार को दिल्ली से रांची आएंगे। मालूम हो कि फिलहाल वह पिता गुरुजी की सेवा और इलाज को लेकर दिल्ली में व्यस्त हैं। 24 जून से ही वह इसके लिए दिल्ली में हैं। दिल्ली से राज्य सरकार के कामकाज को निबटा रहे हैं। लेकिन एक पखवाड़े बाद वह रांची आएंगे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री अगले दिन 10 जुलाई को रांची में होनेवाली पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होंगे। फिर 11 जुलाई को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उसके बाद मुख्यमंत्री फिर दिल्ली लौट जाएंगे। 11 जुलाई को दिन के दो बजे से कैबिनेट की बैठक बुलायी गयी है। लंबे अरसे के बाद होनेवाली इस कैबिनेट की बैठक में लगभग तीन दर्जन प्रस्तावों पर स्वीकृति संभव है। इसमें नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद भी नियुक्ति संभव है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री के साथ साथ उनके अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी अभी दिल्ली में हैं। वह वहीं रह कर मुख्यमंत्री को सरकारी कामकाज निबटाने में मदद कर रहे हैं। आवश्यक सुझाव दे रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में दो गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आतंकवाद से जुड़े एक गंभीर मामले का भंडाफोड़ करते हुए बर्दवान से दो संदिग्ध पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों एनजीओ की आड़ में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को संवेदनशील जानकारी भेज रहे थे। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, आरोपितों की पहचान मुकेश रजक और राकेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। मुकेश बर्दवान के पास स्थित पानागढ़ के कैनल रोड का निवासी है और मेमारी इलाके में एक स्वयंसेवी संस्था से जुड़ा था। वहीं, राकेश कुमार कोलकाता के भवानीपुर का रहने वाला है और उसी एनजीओ के जरिए बर्दवान में किराये के मकान में रहते हुए जासूसी गतिविधियों में शामिल था।

खेमका हत्याकांड : जमीन विवाद में सुपारी देकर करायी गयी थी हत्या

पटना : बिहार के बड़े कारोबारी और मगध अस्पताल के मालिक गोपाल खेमका की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुये आज बताया कि जमीन विवाद में सुपारी देकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था।
बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददता सम्मेलन में बताया कि गोपाल खेमका की हत्या की सुपारी अशोक साह ने दी थी। उन्होंने बताया कि जमीन विवाद में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, जिसके लिए चार लाख रूपए में डील हुई थी। सुपारी किलर उमेश यादव को एडवांस के तौर पर 50 हजार रूपए दिए गए थे। हत्या की साजिश डेढ़ महीने पहले रची गई थी। उमेश की गिरफ्तारी हो गई है। शूटर उमेश की निशानदेही पर पुलिस अपराधी विकास उर्फ राजा से पूछताछ करने मालसलामी इलाके में आज तड़के पहुंची थी।

हौसले बुलंद हों तो प्रतिभा को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बोकारो जिलान्तर्गत बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम, नावाडीह में आज आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल विद्यार्थियों को सम्मानित करने का नहीं, बल्कि स्व. बिनोद बिहारी महतो जी के विचारों और कार्यों को स्मरण करने का भी एक सशक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो एक महान विचारक, समाज-सुधारक और शिक्षा व क्षेत्रीय अस्मिता के प्रति समर्पित नेता थे, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा और सामाजिक चेतना के माध्यम से समाज में परिवर्तन की अलख जगाई।
राज्यपाल ने झारखण्ड विधानसभा सदस्य जयराम महतो द्वारा अपने वेतन का अधिकांश भाग प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समर्पित करने की सराहना करते हुए कहा कि आशा है कि यह कदम अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मुझे बरेली की जनता ने आठ बार लोकसभा में अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजा और मैंने जनसेवा को सदैव अपने जीवन का लक्ष्य माना। आज भी जनता का स्नेह मेरे साथ है क्योंकि मैंने सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा। झारखण्ड राज्य के विकास हेतु यहाँ के राज्यपाल के रूप में वे सदैव तत्पर हैं। राज्य सरकार को विकास कार्यों में जब कभी भी उनकी जरूरत हो, वे जनहित में हमेशा उपलब्ध हैं।
राज्यपाल महोदय ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में वे बहरागोड़ा में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में गये थे और वहाँ उन्होंने बच्चों के साथ भोजन और संवाद किया था, जो बहुत सुखद अनुभव रहा। राज्यपाल ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित करने की सराहना की और कहा कि अवसर केवल शहरों तक सीमित नहीं है, गाँव-कस्बों के बच्चे भी विकास के समान केंद्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भारत का भविष्य हैं। कठिनाइयाँ आएँगी, लेकिन अगर हौसले बुलंद हों तो कोई भी सीमा आपकी प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, परिश्रम, धैर्य और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।
राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल निजी प्रगति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र ही आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की नींव है। राज्यपाल ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों, अभिभावकों और आयोजकों को बधाई दी। समारोह में झारखंड विधानसभा के सदस्य जयराम महतो, बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, जिला प्रशासन के अधिकारीगण व कर्मीगण, समाजसेवीगण, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण, अभिभावकगण उपस्थित थे।

गृह मंत्री आज आयेंगे रांची, पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गृह मंत्री अमित शाह नौ जुलाई की शाम करीब छह बजे रांची पहुंचेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि वह 10 जुलाई को आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के बाद उसी दिन दोपहर वापस दिल्ली चले जायेंगे। इससे संबंधित सूचना केंद्र ने राज्य सरकार को भेज दी है। बैठक में भाग लेने के लिए 30-35 अधिकारियों का दल भी रांची पहुंचेगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 10 जुलाई को आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने की सूचना भेजी है। बिहार से वित्त मंत्री सम्राट चौधरी और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने भी बैठक में शामिल होने से संबंधित सूचना भेजी है। पश्चिम बंगाल से चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बैठक में शामिल होने की सूचना दी है। वह पश्चिम बंगाल में वित्त सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों की मंत्री हैं। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने वाले राज्यों झारखंड, बिहार, पश्चिमी बंगाल, ओडिशा के बीच आपसी विवाद से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी और उसका हल तलाशने की कोशिश की जायेगी।

हेमन्त सोरेन ने मंत्री हफीजुल हसन से की मुलाकात, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन मंगलवार को मेदांता हॉस्पिटल, गुड़गांव में इलाजरत राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना की। विदित हो कि सफल हार्ट सर्जरी होने के उपरांत हफीजुल हसन यहां चिकित्सकों की निगरानी में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

केंद्र के खिलाफ मजदूरों संगठनों कर 'भारत बंद' आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देशव्यापी आम हड़ताल के तहत झारखंड में 9 जुलाई को सुबह 10:00 से दोपहर 12:00 बजे तक चक्का जाम किया जाएगा। यह जानकारी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई। इसमें भाकपा राज्य सचिव महेंद्र पाठक, एटक के अशोक यादव, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, कर्मचारी संघ के सुनील साहू, बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के शशिकांत भारती और एआईबीए के सरफराज अहमद मौजूद थे। नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां मजदूर और किसान विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि 44 श्रम कानूनों को खत्म कर चार लेबर कोड लाना, किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी न देना, और निजीकरण को बढ़ावा देना जनविरोधी कदम हैं। इन सबके विरोध में 17 सूत्री मांगों को लेकर कल की आम हड़ताल बुलाई गई है। हड़ताल के दौरान कोयला क्षेत्र में उत्पादन और ढुलाई बंद रहेगी। बैंक, एलआईसी, सार्वजनिक उपक्रमों जैसे सेल, भेल, रेलवे और विमानन क्षेत्र के कर्मचारी भी काम से दूर रहेंगे। किसान संगठनों ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है। राज्य में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दलों ने हड़ताल को समर्थन दिया है। पूरे झारखंड में दो घंटे का चक्का जाम रहेगा। इसके पूर्व आज शाम मशाल जुलूस निकाला जाएगा, ताकि लोगों को आंदोलन के प्रति जागरूक किया जा सके। भाकपा नेता महेंद्र पाठक ने फुटपाथ दुकानदारों और छोटे व्यापारियों से भी हड़ताल में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते खुदरा व्यापार में बड़े पूंजीपतियों की घुसपैठ बढ़ी है, जिससे छोटे दुकानदारों का अस्तित्व संकट में है।

जेजेएमपी का पूर्व एरिया कमांडर प्रवीण एक्का सहयोगी के साथ गिरफ्तार, हथियार बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला पुलिस को 7 जुलाई को बड़ी सफलता मिली जब प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के पूर्व एरिया कमांडर प्रवीण एक्का उर्फ अड़िया और उसके सहयोगी छोटू नायक को डुमरी थाना क्षेत्र के तांती गांव के जंगलों से गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से अवैध हथियार और गोलियां बरामद की गईं।
मुख्यमंत्री झारखंड सरकार और महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर यह जानकारी मिली थी कि जेजेएमपी का सक्रिय पूर्व एरिया कमांडर प्रवीण एक्का अपने दस्ते के साथ डुमरी थाना क्षेत्र के तांती जंगलों में भ्रमणशील है और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना में है।
पुलिस अधीक्षक गुमला के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चैनपुर के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया। टीम ने तांती गांव के जंगल में पहुंचकर घेराबंदी की, जहाँ कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख जंगल की ओर भागने लगे। टीम द्वारा पीछा कर दो व्यक्तियों को पकड़ा गया।
गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान प्रवीण एक्का उर्फ अड़िया, उम्र करीब 28 वर्ष और छोटू नायक करीब 27 वर्ष है। पूछताछ और तलाशी के दौरान प्रवीण एक्का के पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन, तीन जिंदा गोली और एक मोबाइल फोन जबकि छोटू नायक के पास से एक सिक्सर, दो जिंदा गोली और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। जब उनसे हथियारों के वैध कागजात मांगे गए, तो वे प्रस्तुत नहीं कर सके। बिना अनुज्ञप्ति के आग्नेयास्त्र और गोलियों का रखाव व उपयोग अपराध की श्रेणी में आता है।
प्रवीण एक्का उर्फ अड़िया के विरुद्ध विशुनपुर थाना कांड संख्या 23/25, दिनांक 24.06.2025, धारा 25(1-अ)/23/25 आर्म्स एक्ट एवं 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा एलान, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में, नीतीश सरकार ने बिहार की मूल निवासी महिलाओं के लिए सभी सरकारी सेवाओं और पदों पर सीधी भर्ती में 35 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दी। यह निर्णय केवल बिहार की स्थायी निवासी महिलाओं पर लागू होगा, जिसका मतलब है कि अन्य राज्यों की महिलाएं इस आरक्षण का लाभ नहीं उठा सकेंगी।
नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा, बिहार की महिलाओं को सशक्त बनाने और शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए, राज्य सरकार ने सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस कदम का उद्देश्य महिलाओं को अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।
इसके साथ ही, नीतीश सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन को भी मंजूरी दी है। यह आयोग बिहार के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने, उन्हें प्रशिक्षित करने, और सामाजिक बुराइयों जैसे शराब और नशा मुक्ति के लिए कार्यक्रम तैयार करने पर काम करेगा। आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे, जिनकी अधिकतम आयु 45 वर्ष होगी। नीतीश कुमार ने कहा, बिहार के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए यह आयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बिहार कैबिनेट की बैठक में पहली बार युवा आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

पटना : बिहार में पहली बार युवा आयोग का गठन किया गया है। इसका उदेश्य यहां के युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे के साथ कई अन्य एजेंडों पर मुहर लगी। युवा आयोग के गठन से संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश ने अपने एक्स पर पोस्ट करके दी। इसमें उन्होंने लिखा कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा। इस पोस्ट में आयोग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे। इनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले। साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। इसके साथ ही कैबिनेट में लिए गए 43 एजेंडों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर भी जो युवा काम करने जाते हैं, उनके हितों की रक्षा करना भी इस आयोग का कार्य होगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसके गठन की समुचित प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगा। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि बिहार में सरकारी नौकरी में राज्य की महिलाओं को एक बड़ी सहूलियत दी गई है। यहां की सरकारी नौकरियों में सभी वर्ग की महिलाओं को मिलने वाला 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ अब सिर्फ बिहार मूल की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा। यानी बिहार के बाहर दूसरे किसी राज्य की महिलाओं को नौकरियों में इस आरक्षण व्यवस्था का लाभ नहीं मिलेगा। बिहार सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू कर दी गई है। अब तक इस आरक्षण का लाभ अन्य राज्यों की महिलाओं को भी मिलता था, लेकिन अब यह सुविधा सिर्फ उन महिलाओं को मिलेगा, जो बिहार की स्थायी निवासी होंगी। उन्होंने बताया कि अनियमित मानसून व सूखे जैसी स्थिति में फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को डीजल अनुदान देने को लेकर कैबिनेट ने 100 करोड़ खर्च की स्वीकृति दी है।

तमिलनाडु में दर्दनाक हादसा, ट्रेन से टकराई स्कूल बस, 3 छात्रों की मौत

एजेंसी

कडलूर : तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार की सुबह एक स्कूल बस के चलती ट्रेन की चपेट में आने के कारण तीन छात्रों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना को लेकर अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं।
दक्षिण रेलवे ने इस दुखद घटना के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर दिया गया है तथा उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह करीब पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल बस ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूली छात्रों को ले जा रही बस टक्कर लगने के बाद रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। टेलीविजन पर प्रसारित घटना के दृश्यों में देखा जा सकता है कि पीले रंग की स्कूल बस के परखच्चे उड़ गए। दक्षिणी रेलवे ने कहा कि फाटक बंद था और बस चालक ने देरी से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि बस चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था।
दक्षिणी रेलवे ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दुखद बात यह है कि तीन छात्रों की मौत हो गई तथा एक छात्र और बस चालक घायल हो गए, जिन्हें कडलूर के सरकारी अस्पताल/ जिपमर पुडुचेरी में भर्ती कराया गया है। एक घायल छात्र की एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

एक नजर

आमजन से जुड़े राजस्व मामलों को प्राथमिकता देने की जरूरत : पवन कुमार

हजारीबाग : प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयुक्त कार्यालय, हजारीबाग में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ राजस्व संबंधी विषयों पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि हस्तांतरण, भूमि अधिग्रहण, बंदोबस्ती, लीज, दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व मामलों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त ने जिलेवार लंबित प्रकरणों की स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित उपायुक्तों को निर्देशित किया कि सभी लबित मामलों का निष्पादन निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त ने कहा कि राजस्व मामलों का निष्पादन आम जनता से सीधे जुड़ा विषय है इसलिए मामलों का निष्पादन ससमय करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बरती जाए तथा सभी कार्य निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही पूर्ण हों। बैठक में आयुक्त पवन कुमार के अलावे हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन, रामगढ़ उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज, चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी, कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज, प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा सहित संबंधित वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

झुलसे मरीजों से मिले मुन्ना सिंह

हजारीबाग : कांग्रेस पार्टी के पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी और नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह ने मंगलवार को हजारीबाग में जन सरोकार से जुड़े दो अहम विषयों पर सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई और यह स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जनता की पीड़ा में सबसे पहले खड़े रहने वाली पार्टी है मुन्ना सिंह ने सदर प्रखंड के पौंता पंचायत स्थित तुरांव गांव में झुलसे हुए पीड़ितों से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल जाकर मुलाकात की। उन्होंने भर्ती मरीजों व परिजनों से मिलकर उनकी स्थिति की जानकारी ली, ढांढस बंधाया और उन्हें आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में कांग्रेस परिवार उनके साथ है। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक प्रो. डॉ. अनुकरण पूर्ति से भेंट कर पीड़ितों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

साक्ष्य के अभाव में न्यायालय का फैसला, नेताओं को मिली बड़ी राहत

हजारीबाग : वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान हजारीबाग सदर थाना में दर्ज आचार संहिता उल्लंघन (सदर थाना काण्ड संख्या 211/2014, जी.आर. 151/14, धारा 171-एच भा.दं.सं.) के एक दशक पुराने मामले में आज न्याय की जीत हुई। न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह की अदालत ने साक्ष्य के अभाव में पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नू गोप एवं पूर्व महामंत्री अनिल मिश्रा को आरोपमुक्त कर दिया। गौरतलब है कि यह मामला विगत 11 वर्षों से लंबित था, जिसमें आज दोनों नेताओं को न्यायालय द्वारा दोषमुक्त घोषित किया गया। इस निर्णय से दोनों नेताओं को बड़ी राहत मिली है। उक्त मुकदमे में अधिवक्ताओं की एक अनुभवी टीम – वरिष्ठ अधिवक्ता धनंजय कुमार सिंह, अधिवक्ता सह पूर्व जिला उपाध्यक्ष राणा राहुल प्रताप, अधिवक्ता प्रमोद कुमार सिंह, अधिवक्ता अजय कुमार, अधिवक्ता अश्विनी कुमार, अधिवक्ता मनोरंजन राय, अधिवक्ता परमीत ओझा एवं अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने सशक्त पैरवी की। रिहाई की इस घड़ी में न्यायालय परिसर में समर्थकों एवं अधिवक्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। यह निर्णय न केवल दोनों नेताओं के लिए व्यक्तिगत राहत का विषय है, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे न्यायिक संघर्ष की परिणति भी है।

हजारीबाग, रांची, कोडरमा से सुलतानगंज के लिए तीन श्रावणी स्पेशल ट्रेनों की सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : ओम आरोहणम संस्था संस्थापिका, सदस्य दिशा (भारत सरकार), लायंस क्लब के अध्यक्ष सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मंगलवार को सावन महीने में तीन स्पेशल ट्रेन चलने की खुशखबरी दिया। ज्ञात हो कि भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने रांची दक्षिण-पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक से पत्र के माध्यम से पूर्व वर्ष की तरह सावन महीने के दौरान रांची, हजारीबाग, कोडरमा, सुल्तानगंज, देवघर रूट पर विशेष शिवभक्तों की जनभावनाओं को ख्याल रखकर हजारीबाग से सुलतानगंज के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की अनुरोध की थी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पेशल ट्रेन चलाने का मामला को संज्ञान में लिया। तीन श्रावणी स्पेशल ट्रेन की स्वीकृति दी। विज्ञप्ति के माध्यम से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद व्यक्त की। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सावन महीने में तीन श्रावणी स्पेशल ट्रेन मिला है। रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार रात्रि 11 बजे से ट्रेन संख्या 08646 रांची से बरकाकाना, हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन होते हुए कोडरमा, नवादा एवं देवघर अगले दिन 12 बजकर 05 मिनट दिन में पहुंचेगी। वापसी के लिए सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को भागलपुर से ट्रेन संख्या 08645 दोपहर 1 बजकर 10 मिनट से खुलेगी। कोडरमा एवं हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन होते हुए बरकाकाना एवं रांची अगले दिन दोपहर 3 बजकर 30 मिनट में रांची पहुंचेगी। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि सावन महीने में हजारीबाग, रांची, बड़काकाना एवं कोडरमा के श्रद्धालुओं व कांवरिया के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। अस्थायी रूप से सिर्फ सावन महीने में तीन स्पेशल ट्रेन हजारीबाग से सुलतानगंज जाने आने के लिए मिला है। मेरी आगे प्रयास रहेगी कि स्थायी रूप से हजारीबाग तथा सुलतानगंज जाने आने के ट्रेन मिले। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ के श्रद्धालुओं एवं कांवरिया को बाबा का दर्शन करने में काफी सहुलियत होगा तथा आवागमन भी सुलभ होगा।

विधायक की पहल पर बारिश से खराब हुए सड़कों का किया गया मरम्मत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के बुंडू पंचायत में विधायक रौशनलाल चौधरी के पहल पर कई सड़कों तथा पुलिया का मरमत किया गया। गौरतलब हो कि पिछले सप्ताह मूसलाधार बारिश से बुंडू पंचायत के कई सड़क पुल पुलिया बह गया था जिसके कारण बुंडू पंचायत और पातल पंचायत के लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया था। यूं कहे तो बुंडू पंचायत के सभी गांव बुंडू बटुका खपिया किरिगरा कोचटो पंचायत के हफुआ बाराडीह के साथ पाताल पंचायत की टापू बन गया था। लोगों को आने जाने काफी परेशानी हो रही थी। स्कूली बच्चे एक सप्ताह से स्कूल नहीं जा पा रहे थे लोगो ने इसकी सूचना विधायक रौशनलाल चौधरी को दिए। जिसको विधायक आम जनता तथा स्कूली बच्चों की परेशानी को देखते हुए तत्काल संज्ञान में लिए। बारिश छूटते ही विधायक के पहल पर सभी खराब सड़क तथा टूटी पुलिया को तत्काल मरम्मती करा दी गई है। हफुआ नाला में छलटा तरवां नाला तथा कोती नदी में मिटी मोरम डाल कर आवागमन चालू किया गया है। इसके साथ ही विधायक के निजी खर्च से बुंडू बचरा सड़क किरीगढ़ा हफुआ सड़क बुंडू बटुका सड़क बुंडू आगरटांड सड़क दूधीगढ़ा सड़क को भी मरम्मती कर आवागमन चालू किया गया है। आवागमन चालू होते ही बुंडू पंचायत पाताल पंचायत तथा कोचटो पंचायत के आम जनता व स्कूली बच्चों में काफी खुशी देखी जा रही है। और सभी जनता विधायक रौशनलाल चौधरी को तथा इस कार्य में मेहनत करने वाले सभी आजसू बीजेपी के कार्यकर्ताओं को जताया आभार।

लगातार बारिश ने बिगाड़ी किसानी सब्जी और धान की खेती चौपट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : धान एवं हरी सब्जियों के उत्पादन में महारथ हासिल आज बड़कागांव प्रखंड के किसान परेशानियों से जूझ रहे है, किसान बेरोजगार होकर घरों में बैठे हुए हैं। लगभग डेढ़ महीने से लगभग प्रत्येक दिन अत्यधिक वर्षा होने से खरीफ फसलों की बुवाई नहीं हो पाने से किसानों में मायूसी छाई हुई है, जून जुलाई के मौसम में बोई जाने वाले मुख्यतः खरीफ फसलें मक्का, मूंगफली, अरहर, ज्वार, बाजरा, मुंग, भिंडी, झिंगी-परवल, करेला, टमाटर, मिर्च इत्यादि इस वर्ष किसान अपने खेतों में नहीं लगा पाए हैं। वहीं भिंडी, मक्का, टमाटर, करैला, लौकी, बोदी, झिंगी-परवल इत्यादि सब्जियां जो किसान मार्च अप्रैल में खेतों में लगाई हुई थी, पौधा ठीक तैयार हुआ और उसमें पानी जल जमाव होने के वजह से मर सड़ कर मुरझा गई। अत्यधिक वर्षा होने के कारण धान का बिचड़ा भी किसान समय पर लगा नहीं पाए और जो लगाए हैं उनका आधा से अधिक गल गया जिससे किसान निराश होकर पुनः धान का बिचड़ा लगा रहे हैं। जो किसान डायरेक्ट अपने खेतों में धान की बुवाई करते थे वह भी अभी तक नहीं कर पाए हैं और वह असमंजस की स्थिति में है। किसान की पूंजी बेवजह इस वर्ष बर्बाद हो रही है जिससे किसान कर्ज तले दबे जा रहे हैं। कोयलंग (परेवातरी) के किसान जानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी ने झारखंड सरकार से मांग किया कि किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। क्योंकि जो खेत आजकल हरी भरी सब्जियों से लहलहाती नजर आती थी वह खेत अभी सिर्फ घांस-फुस से हरी नजर आ रही है, अत्यधिक वर्षा के कारण हुए नुकसान की वजह से आधा अकाल सरकार को घोषित कर देना चाहिए।

त्रिवेणी सैनिक इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी ट्रेनिंग ग्राउंड में पासिंग आउट परेड का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग के पकरी बरवाडीह खनन परियोजना के त्रिवेणी सैनिक इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी ट्रेनिंग ग्राउंड में एक शानदार पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया, जो एक यादगार अवसर बन गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टीएसएमपीएल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे। कार्यक्रम की शुरूआत में लर्निंग एंड डेवलपमेंट हेड अमृतांशु प्रसाद और मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुमार नीरज ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली और सर्वश्रेष्ठ ड्रिल प्रदर्शन करने वाले जवानों को सम्मानित किया। इसमें प्रमोद गंझू ने प्रथम, मोहित कच्छप द्वितीय और अमित कुजूर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें शील्ड प्रदान की गई। अपने संबोधन में उन्होंने इतने कम समय में इतने उत्कृष्ट आयोजन के लिए सभी जवानों और विशेष रूप से मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुमार नीरज और सुरक्षा अधिकारी नवीन सिंह के प्रयासों और कुशल नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने इस मौके पर 26 नवनियुक्त बटालियन की भागीदारी को एक ऐतिहासिक कदम बताया, जो न केवल गर्व का विषय है, बल्कि भविष्य के लिए एक प्रेरणादायक पहल भी है। उन्होंने सभी जवानों से अपनी ड्यूटी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का आग्रह किया और कहा कि उनके इस प्रयास से कंपनी का मिशन सफलता की ओर अग्रसर है। उन्होंने 45 दिनों की कठोर ट्रेनिंग के सफल आयोजन के लिए ट्रेनिंग टीम को भी बधाई दी।

बस मालिकों एवं ट्रांसपोर्टरों के साथ श्रम अधीक्षक ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : दिनांक 08 जुलाई 2025 को उप श्रमायुक्त कार्यालय, हजारीबाग के प्रकोष्ठ में श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के बस मालिकों एवं ट्रांसपोर्ट कारोबारियों के साथ श्रम कानूनों के अनुपालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के आलोक में किया गया, जिसमें मोटर परिवहन कर्मचारी अधिनियम, 1961 के अंतर्गत बस चालकों, खलासियों एवं अन्य कर्मचारियों के कार्य अवधि को प्रतिदिन अधिकतम 8 घंटे निर्धारित करने की बात कही गई। श्रम अधीक्षक ने सभी बस मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कर्मचारियों को हर माह की 7 तारीख तक मजदूरी का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936 का सही अनुपालन सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को खाता के माध्यम से मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने तथा मोटर वाहन उपक्रमों में किसी भी स्थिति में नाबालिगों की नियुक्ति नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी देवकुमार मिश्र सहित हजारीबाग बस मालिक संघ के प्रमुख सदस्य दीपक कुमार, अरुण कुमार, अशोक कुमार वर्मा, अयूब खान एवं अन्य बस मालिकगण उपस्थित रहे। श्रम विभाग द्वारा सभी बस मालिकों से सहयोग की अपेक्षा की गई ताकि परिवहन क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रमिकों को उनके अधिकार प्राप्त हो सकें तथा श्रम कानूनों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

जिला उद्योग केंद्र हजारीबाग ने उद्यम रजिस्ट्रेशन सह-जागरूकता शिविर का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग के द्वारा मंगलवार को नेचर केयर एंड एजुकेशन सोसाइटी द्वारा उद्यम रजिस्ट्रेशन-सह-उद्यमिता जगरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शंभु शरण बैठा, जिला अग्रणी प्रबन्धक के प्रतिनिधि मनीष कुमार, ईओडीबी प्रबंधक श्याम कुमार गुप्ता, जेसिया के प्रतिनिधि नवीन कुमार, ज्ञान ज्योति ऑफ फामेर्सी के निदेशक शंभु कुमार एवं विभिन्न प्रखंडों से आए भावी एवम वर्तमान उद्यमी उपस्थित रहे। मौके पर श्याम कुमार गुप्ता ने जिला उद्योग केंद्र द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के बारे में बताया और साथ ही उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उद्यम रजिस्ट्रेशन, पीएमइजीपी, पीएम.एफ.एम.ई और माइक्रो इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट जैसी योजनाएं छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को उद्यम रजिस्ट्रेशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत फॉर्म भरने में भी उद्यमियों को सहयोग दिया जाएगा। महाप्रबंधक ने लोगों को छोटे-छोटे उद्योगों से जुड़कर स्वरोजगार करने एवम दूसरे को रोजगार प्रदान करने की अपील की। ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फामेर्सी के डायरेक्टर ने उद्योग से संबंधित जानकारी दी एवं निबंधन के लिए अपील की, जिला अग्रणी प्रबन्धक के प्रतिनिधि बैंक से संबंधित सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं विभिन्न प्रकार के योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया और कहा कि लोग घर पर ही रहकर के स्वरोजगार कर सकते हैं जेसिया के प्रतिनिधि ने हजारीबाग में उद्योग से संबंधित संभावनाओं को बताया शिविर के दौरान उद्यमियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम में स्थानीय लोगों से कहा गया कि उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। जिससे वे अपने व्यवसाय को औपचारिक रूप से पंजीकृत कर सरकारी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। महाप्रबंधक ने सभी इच्छुक उद्यमियों से अपील किया कि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने व्यवसाय को सशक्त बनाएं। इस कार्यक्रम में लोगों को ऑन द स्पॉट उद्यम रजिस्ट्रेशन किया गया और 50 लोगों को उद्यम रजिस्ट्रेशन के लिए दस्तावेज लिए गए।

संक्षिप्त खबरें

एस.के. दुबे ने दिखाई हरी झंडी, पकरी बरवाडीह से 1000वीं कोयला रेक रवाना

बड़कागांव : एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने मंगलवार को अपने स्वर्णिम इतिहास में एक और नया अध्याय जोड़ा है। परियोजना ने बनादाग रेलवे साइडिंग से रैपिड लोडिंग सिस्टम के माध्यम से 1000वीं कोयला रेक का सफलतापूर्वक डिस्पैच किया। इस विशेष अवसर पर महाप्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) एस.के. दुबे द्वारा 1000वीं रेक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में साइडिंग परिसर में एक केक कटिंग समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गौरतलब है कि रैपिड लोडिंग सिस्टम के माध्यम से पहली रेक का डिस्पैच 20 सितम्बर 2023 को हुआ था। इसके बाद परियोजना ने 4 मई 2025 को 500वीं रेक का डिस्पैच किया और केवल दो महीनों के रिकॉर्ड समय में 1000वीं रेक तक का सफर तय कर लिया। यह उपलब्धि उच्च कार्यक्षमता, समन्वय और योजनाबद्ध संचालन की मिसाल है। इस बेहतरीन उपलब्धि के पीछे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एशिया की सबसे लंबी 21 किलोमीटर लंबी कोयला कन्वेयर बेल्ट ने, जो खदान से सीधे आरएलएस तक कोयला पहुँचाती है। यह प्रणाली पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल है, जो सड़कों पर वाहनों की निर्भरता कम करती है और प्रदूषण में कमी लाती है। इस मील के पत्थर के साथ एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह परियोजना ने एक बार फिर सुरक्षित, सतत और स्मार्ट खनन के अपने संकल्प को दोहराया है, और कोयला खनन उद्योग में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

कांडतरी पंचायत में हाथियों का कहर, कई किसानों की फसलें तबाह

बड़कागांव : इन दिनों लगातार बड़कागांव प्रखंड में हाथियों का आतंक जारी है। हाथियों का झुंड कांडतरी पंचायत में अपना अड्डा जमाए हुए हैं। जिसे लेकर ग्रामीण एवं किसानों में भय का माहौल है। सोमवार और मंगलवार को ग्राम कांडतरी निवासी लखन कुमार पिता राम चरण महतो का 3 एचपी का सिंचाई सोलर प्लेट और 6 केजी धान का बिचड़ा, 10 कट्ठा में मक्का, नंदकिशोर महतो का 8 केजी धान का बिचड़ा, धूपन महतो का 5 केजी धान का बिचड़ा, तापेश्वर महतो का 10 कट्ठा में मक्का, मुखलाल महतो का 10 कट्ठा में मक्का, सुरेंद्र प्रसाद सिंह का 8 कट्ठा में मक्का, अरविन्द कुमार का 6 कट्ठा मक्का, रवींद्र कुमार 6 कट्ठा मक्का, प्रवीण कुमार का 6 कट्ठा में मक्का, जयंती देवी 3 एचपी वाला सौर प्लेट, सभी किसानों के फसल को हाथियों का झुंड ने मिलकर सारे पौधों को बर्बाद कर डाला। किसानों ने वन विभाग एवं प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

कनकनी चौधरी मुहल्ला मे आषाढ़ी पूजा धूमधाम से हुई संपन्न

लोयाबाद : कनकनी नं० 4 चौधरी मुहल्ला में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी परम्परागत तरीके से महारानी देवी माता एवं वार्षिक आषाढ़ी पूजा पूरी भक्ति पूर्वक धूमधाम से मनाई गई। इस अनुष्ठान में मुहल्ले के श्रद्धालुओं ने माता महारानी के प्रति असीमआस्था रखते हुए अपनी-अपनी मन्नत के अनुसार पूजा विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इसके पूर्व मुहल्ले वासियों द्वारा लोयाबाद तीन नंबर स्थित मां काली मंदिर में बकरे की बली देने के बाद मां महारानी की भी बली देने का विधी विधान की गई। वही बली के उपरांत गांव के चारो कोने मे लोहे का कांटी गाड़ने एवं सभी घर मे पहुंचते है और अपनी – अपनी दरवाजे पर खड़ी गांव की महिलाएँ पुजारिन को पैर धो कर अगले वर्ष आने की स्वागत की जाती है। और मां गांव की महिलाएँ मां महारानी की गीत गा कर मां को गांव के लोगो खुशहाल रखने की कामना करती है। इस पूजा अनुष्ठान को सफल बनाने मे प्रभु पासी, बलेश्वर पासी, कन्हैया पासी, सुरेश पासी, अवधेश चौहान, राजू पासी, गोविन्द पासी, कृष्णा पासी, उमेश चौधरी, धीरज चौधरी, जीतू चौधरी, सुखदेव पासी, दिनेश पासी, अजय चौधरी, शिव चौहान, नरेश पासी, महेश पासी, गणेश चौधरी, राजू कुमार चौधरी, संतोष चौधरी इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

चट्टीबरियातू में सांसद का धरना, ग्रामीणों के समर्थन में ऋत्विक कंपनी के खिलाफ मोर्चा

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में एनटीपीसी की चट्टीबरियातू कोल माइंस परियोजना एक बार फिर विवादों में घिर गई है। आउटसोर्स कंपनी ऋत्विक पर जनभावना और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करते हुए केरेडारी प्रखंड के चट्टीबरियातू गांव स्थित बड़ा तालाब (लातो आहर) के मेढ़ को काटने और ड्रिल के जरिए पानी निकालने का आरोप लगा है। यह घटना सोमवार रात करीब 2 बजे सामने आई, जब ग्रामीणों ने पोकलेन मशीन का उपयोग कर गुपचुप तरीके से किए जा रहे इस प्रयास का तीव्र विरोध किया। ग्रामीणों के अनुसार जैसे ही उन्हें इसकी भनक लगी वे इकट्ठा हुए और काम को रोका। ग्रामीणों के विरोध के बाद पोकलेन चालक और अन्य कर्मचारी मशीन छोड़कर फरार हो गए। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीण तुरंत गोलबंद हो गए और मंगलवार सुबह इसकी सूचना हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल को दी। सूचना मिलते ही सांसद मनीष जायसवाल तत्काल चट्टीबरियातू के संबंधित तालाब पर पहुंचे और पूरी घटना का बारीकी से जायजा लिया। उन्हें पता चला कि यह तालाब चट्टीबरियातू, नावाडीह, पगार, भुइयांटोली सहित आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए नहाने-धोने और सिंचाई का मुख्य स्रोत है। मौके का मुआयना करने के बाद सांसद जायसवाल चट्टीबरियातू मंदिर प्रांगण पहुंचे, जहाँ उन्होंने ग्रामीणों से विस्तार से विमर्श किया। इसके बाद उन्होंने एनटीपीसी चट्टीबरियातू कोल माइंस परियोजना के परियोजना प्रमुख (एचओपी) सी.वी. नवीन से मोबाइल पर बात की। सांसद ने उन्हें दो स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि यदि कंपनी जनभावना के खिलाफ कोई भी कार्य करती है, तो एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि के तौर पर वे हर स्तर पर इसका विरोध करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि कंपनी को ग्रामीणों के साथ भाईचारे और समझौते के साथ काम करना चाहिए, न कि जोर-जबर्दस्ती से। सांसद मनीष जायसवाल ने परियोजना प्रमुख को स्पष्ट रूप से बताया कि वह जनता के साथ धरने पर बैठे हैं और तब तक बैठे रहेंगे जब तक तालाब के काटे गए मेढ़ को वापस भर नहीं दिया जाता और किए गए ड्रिल को बंद नहीं कर दिया जाता।

एक नजर

आंगनबाड़ी सहायिका और सेविकाएं करेंगी प्रदर्शन आज

रांची : झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन ने आगामी नौ जुलाई को प्रदेश भर के सभी प्रखंड और जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह जानकारी यूनियन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं के धरना प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम भी एक ज्ञापन मुख्यमंत्री सचिवालय को सौंपा गया है। सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार की मौजूदा नीतियों के कारण श्रमिकों के अधिकारों का हनन हो रहा है। आंगनबाड़ी कर्मियों के समक्ष कई नई समस्याएं खड़ी हो गई हैं। ऐसे में यूनियन ने आह्वान किया है कि सभी सेविका-सहायिकाएं इस आंदोलन में भाग लेकर इन नीतियों का विरोध करेंगी।

हड़ताल में सप्लाई मजदूर निभाएंगे निर्णायक भूमिका : भवन

रांची : हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि बुधवार को आहूत देशव्यापी हड़ताल पर एचईसी हटिया के आंदोलनरत स्थायी सप्लाई मजदूर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने मजदूरों से यूनियन मुख्यालय के समक्ष आयोजित आमसभा सह प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की है। भवन सिंह मंगलवार को एचईसी परिसर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल सिर्फ प्रदर्शन नहीं, बल्कि मजदूरों पर हो रहे अन्याय और शोषण के खिलाफ गुस्से का इजहार है। उन्होंने कहा गया है कि केंद्र सरकार की नीतियां मजदूरों को धीरे-धीरे कॉरपोरेट, पूंजीपति और प्रबंधन का दास बना रही हैं। सरकार श्रमिक कानूनों को कमजोर कर, मजदूरों की गरिमा और सुरक्षा को खतरे में डाल रही है।

विद्युत परियोजना की उपेक्षा से राज्य को करोड़ों का नुकसान : अजय

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य की एकमात्र सक्रिय जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी जल विद्युत परियोजना की उपेक्षा को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप और उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग की है। अजय राय ने बताया कि सिकिदिरी परियोजना की 130 मेगावाट की उत्पादन क्षमता होते हुए भी भारी वर्षा और जल उपलब्धता के बावजूद यह संयंत्र लंबे समय से निष्क्रिय पड़ा है। इससे राज्य को हर दिन कई करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना की निष्क्रियता प्रशासनिक लापरवाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार का परिणाम है।

मजदूर और किसानों के साथ हुए धोखे के विरोध में है हडताल : भाकपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्र की सरकार किसानों और मजदूरों पर कहर बरपा रही है, 44 श्रम संहिता को बदलकर चार लेबर कोड में बदल दिया, किसानों को धोखा दिया। आज तक न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी सरकार नहीं कर पाई है। केंद्र सरकार के मजदूरी विरोधी नीतियों के विरोध में आम हडताल 17 सूत्री मांगों के समर्थन में बुधवार को होगी। इस हडताल में भाकपा भी शामिल होगी। यह बातें भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने मंगलवार को कही। पाठक पार्टी के मेन रोड स्थित अल्बवर्ट एक्का् चौक के पास पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। वहीं महेंद्र पाठक ने छोटे बड़े व्यापारियों सहित फुटपाथ दुकानदारों से भी अपील करते हुए के कहा कि केंद्र की सरकार के नीतियों के कारण ही खुदरा व्यापार में पूंजीपतियों का प्रवेश देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। इससे छोटे-छोटे व्यापारियों का रोजगार छीन जाएगा। मौके पर उन्होंने सभी से आम हड़ताल को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि हड़ताल की पूरी तैयारी कर ली गई है। राज्य के मजदूर और किसान भी हड़ताल में शामिल होंगे। अगर केंद्र सरकार नहीं चेती तो 2029 के लिए यह हड़ताल केंद्र के लिए सिरदर्द साबित होगी। मौके पर मौजूद अन्य नेताओं ने कहा कि हडताल के दौरान कोयला क्षेत्र में उत्पादन और ढुलाई दोनों बंद रहेगा, बैंक, एलआईसी से लेकर तमाम सार्वजनिक क्षेत्र के कल कारखाने सेल, भेल, रेल से लेकर हवाई जहाज तक बनाने और उड़ने वाले मजदूर हड़ताल पर रहेंगे। देश के किसान संगठनों ने भी आम हड़ताल में शामिल होने की घोषणा की है। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो, कांग्रेस, राजद सहित सभी वामदलों ने इस मजदूर और किसानों के हड़ताल को समर्थन दिया है। इसे लेकर झारखंड में दो घंटे का चक्का जाम होगा। मौके पर एटक के राज्य सचिव अशोक यादव, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, कर्मचारी संघ के सुनील साहू, बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन के सतीश भार्गव, एआईबीए के सरफराज अहमद उपस्थित थे।

झारखंड में ठप पड़ गई है प्रशासनिक व्यवस्था सिर्फ सोशल मीडिया में खानापूर्ति : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सूबे की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अधिकारियों की ओर से सरकारी कार्यालयों में सारा कामकाज ठप कर सिर्फ सोशल मीडिया पर खानापूर्ति की जा रही है। मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा है कि झारखंड में बीते कुछ दिनों से प्रशासनिक व्यवस्था ठप पड़ गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में अधिकारियों की ओर से सरकारी कार्यालयों में सारा कामकाज ठप कर सिर्फ सोशल मीडिया पर खानापूर्ति की जा रही है। खूंटी जिले के सिमडेगा-कोलेबिरा मार्ग पर पोलोल पुल भारी बारिश की वजह से ध्वस्त हो गया, जिससे आवागमन पूर्णतः बाधित हो चुका है। दो सप्ताह से अधिक समय बीतने के बावजूद जिला प्रशासन वैकल्पिक आवागमन या डायवर्जन की व्यवस्था नहीं कर पाई। इस रास्ते स्कूल आने जाने वाले बच्चों को सीढ़ी लगाकर करीब 25 फुट ऊपर पुल की चढ़ाई कर विद्यालय जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आम जनता की परेशानियों का निदान करने के लिए भी जिला प्रशासन को आपके ट्विटर संदेश का इंतजार करना पड़ रहा है तो सारे कार्यालयों को बंद कर देना ही उचित होगा। आपसे आग्रह है कि खूंटी उपायुक्त को अगर आपके सोशल मीडिया से निर्देश से ही उक्त रास्ते में वैकल्पिक आवागमन सुनिश्चित कराना है।

एबीवीपी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल गंगवार से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री मनोज सोरेन के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सभी विश्वविद्यालय-महाविद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति, सभी महाविद्यालय-विश्वविद्यालय में नियमित रूप से सत्र संचालन, झारखंड प्रदेश में छात्र संघ चुनाव कराने सहित अन्य मांगे शामिल थे। प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी आए दिन देखने को मिल रही है। इससे विद्यार्थियों को पठन-पाठन में कठिनाई देखने को मिल रही है। साथ ही सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में नियमित सत्र पूर्ण होने में सत्र से अधिक समय लग रहा है, जो कि छात्रों के भविष्य के लिए चिंता जनक है। आए दिन पूरे झारखंड प्रदेश में देखने को मिल रहे हैं की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं की भूमिका दिन प्रतिदिन कम होते जा रही है, जो की चिंता का विषय है। झारखंड प्रदेश में 2019 के बाद किसी भी विश्वविद्यालय-महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नहीं हुई है, यह झारखंड के लिए दुर्भाग्य का विषय है। झारखंड सरकार ने अभी तक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नहीं कराया है, छात्र संघ चुनाव कैंपस में पढ़ने वाले छात्रों के लिए बहुत बड़ा त्योहार है यह लोकतंत्र का पहला सीढ़ी है, जो छात्रों को कॉलेज कैंपस में अपने हक की लड़ाई के लिए एक प्रतिनिधि को चुनता है जो उनकी आवाज को मजबूत करता है। अभाविप के प्रतिनिधि मंडल में आभाविप के प्रदेश अध्यक्ष मौसमी पॉल, प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन, बिहार झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला, झारखंड प्रांत के संगठन मंत्री नीलेश कटारे सहित अन्य मौजूद थे।

बेसहारा बच्चों को आश्रय दिलाने का प्रयास करेगा डालसा : राजेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में नालसा की ओर से संचालित साथी, डॉन, जागृति और आशा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। यह कार्यक्रम कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय और कटचांचो गांव, मांडर में किया गया। कार्यक्रम में एलएडीसी डिप्टी, राजेश कुमार सिन्हा ने नशा उन्मूलन डॉन पर फोकस करते हुए एनडीपएस एक्ट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण करना ही डालसा का एकमात्र उद्देश्य है। इसके तहत डालसा समय-समय पर गली, मुहल्लों और कस्बो में कैंप लगाकर निरंतर लोगों को जागरूक कर रहा है। साथ ही उन्होंने अभियान पर फोकस करते हुए कहा कि निराश्रित और बेसहारा बच्चों को आश्रय दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार भरसक प्रयास करेगा। इसके लिए टॉल फ्री नम्बर - 15100 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। 90 दिवसीय राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान पर फोकस करते हुए पीएलवी सुमन ठाकुर ने कहा कि वादकारी अपने वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से करा सकते हैं। यह अभियान एक जुलाई से शुरू होकर 90 दिनों तक चलेगा। वादकारियों को जल्द-से-जल्द सुलभ न्याय मिले, इसके लिए न्यायालयों की ओर से नोटिस का तामिला भी कराया जा रहा है। ताकि, इससे अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जा सके। पीएलवी शमीम अंसारी ने वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन पर जानकारी दी। वहीं पीएलवी बिनिता कुमारी और लखिंद्र गोप ने मईंया सम्मान योजना और राज्य सरकार की ओर से चलाये जा रहे अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर एलएडीसी डिप्टी, राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी सुमन ठाकुर, शमीम अंसारी, बिनिता कुमारी, लखिंद्र गोप, तालिब अंसारी, राजा वर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए तैयार करेगी पांच सेक्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस अंतर्गत रांची जिले के कार्यकारी अध्यक्ष महासचिवों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कमलेश ने कहा कि बैठक का मूल उद्देश्य प्रदेश स्तर पर संगठन को व्यवस्थित करने के लिए आपसी समन्वय बनाने को लेकर था। उन्होंने कहा कि बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन में निचले स्तर तक समन्वय रखने, उनसे सूचना प्राप्त करने और सूचनाओं को साझा करने, समय समय पर विभिन्न वैधानिक निकायों की बैठकों में जाने, सरकार एवं अन्य स्त्रोतों से सूचनाओं मिलने तथा पत्राचार करने सहित अनेक कार्य हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को व्यवस्थित करने के लिए पांच सेक्शन का गठन किया जाएगा। इनमें एआईसीसी से पत्राचार करने, विधायक मंत्रियों से पत्राचार और संवाद के लिए एक सेक्शन, संगठन सृजन के तहत चल रहे कार्यक्रमों के लिए प्रदेश से लेकर प्रखंड स्तर तक के लिए एक सेक्शन, 20 सूत्री बोर्ड निगम सहित जितनी कमिटियां बनी हैं उसका डाटा और कांग्रेसजनों के डाटा लिए एक सेक्शन और ग्रामीण नगर निकाय के चुनाव के लिए एक सेक्शन बनाया जाएगा। ताकि, सभी से संबंधित डाटा का संधारण तरीके से किया जा सके। ऐसे पदाधिकारी को जिम्मेवारी दी जाएगी जो संगठन और कार्यालय में समय दे सकें। कमलेश ने कहा कि 10 जुलाई को प्रभारी के राजू की उपस्थिति में कांग्रेस विधायकों की बैठक से और राजनीतिक मामलों की कमेटी की बैठक होगी।

संक्षिप्त खबरें

बगैर ट्रेड लाइसेंस संचालित हो रहे 14 दुकानों को निगम ने किया नोटिस

रांची : नगर निगम की ओर से अपर बाजार और बूटी मोड़ क्षेत्रों में बगैर ट्रेड लाइसेंस संचालित हो रहे कई व्यवसायिक दुकानों के विरुद्ध मंगलवार को छापेमारी जांच अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व निगम के सहायक प्रशासक चन्द्रदीप कुमार ने की। उन्होंने कहा कि नगर निगम का यह विशेष अभियान आगे भी शहर के अन्य हिस्सों में जारी रहेगा। मौके पर अपर बाजार स्थित पांच प्रतिष्ठानों विशाल टायर, राजस्थान मोटर, शेट्टी टायर, मूलचंद जैन एंड संस और विजय टायरकी जांच की गई। वहीं बूटी मोड़ क्षेत्र में कुल 14 प्रतिष्ठानों अभय मेडिकल, शंकर नर्सरी, अन्नू इलेक्ट्रिकल, ऑटो सैलून, अश्विन अमृत तुलवा, विशाल फोम हाउस, रामा होटल, सोना स्वीट्स, एस एस प्रोफेशनल्स, माहेश्वरी स्वीट्स, प्रेमा हॉस्पिटल, बाबा कैफे, सिमरन स्टेशनरी और दवाई दोस्त का निरीक्षण किया गया। निगम ने उक्त सभी प्रतिष्ठानों के संचालकों को नोटिस जारी करते हुए आगामी तीन दिनों के भीतर ट्रेड लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया। जांच अभियान में मुख्य रूप से नगर प्रबंधक, निगम के कर संग्रहकर्ता और मेसर्स श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स के कर संग्रहकर्ता शामिल थे।

अग्रवाल सभा का सावन महोत्सव मेला आज से

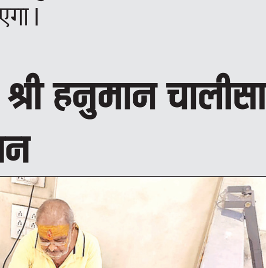

रांची : अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति की ओर से आगामी आज से 11 जुलाई तक भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महाराजा अग्रसेन भवन में किया जाएगा, जिसमें खासतौर पर महिलाओं के लिए मेले का आयोजन होगा। यह जानकारी सभा के संजय कुमार ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत सावन के रंग और रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों में राखी, परिधान, आभूषण, सजावटी वस्तुएं, फूड स्टॉल सहित कई आकर्षण शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को सांस्कृतिक और पारंपरिक माहौल में जोड़ना है, साथ ही स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक प्रतियोगिताएं और उपहार वितरण भी किया जाएगा।

रांची 08 जुलाई :

161 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 161 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। संकट से हनुमान छुड़ावे मन कर्म वचन ध्यान जो लावे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अभिषेक सरावगी सुची सरावगी ने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। अभिषेक सरावगी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। अधिवक्ता श्याम जिज्ञासा नारसरिया एवं श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अभिषेक सरावगी सुची सरावगी अंकित हर्ष कृष्णा कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

पूर्णिया की जघन्य घटना आदिवासी समाज के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र : नायक

रांची : पूर्णिया मे पांच आदिवासी को अमानवीय तरीके से जलाने की घटना ने बिहार सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता चेहरा को उजागर किया है। यह घटना बिहार सरकार की विफलता और आदिवासियों के प्रति उनकी उदासीनता का जीवंत प्रमाण है। विजय शंकर नायक पूर्णिया जिले में एक ही आदिवासी परिवार के पांच सदस्यों को अंधविश्वास के नाम पर जिंदा जलाने की दिल दहलाने वाली घटना न केवल मानवता पर कलंक है, बल्कि यह बिहार की भाजपा गठबंधन सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता को भी उजागर करती है। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने इस जघन्य अपराध की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इस घटना को आदिवासी समाज के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा मानता है। इस सम्बंध में आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष श्री विजय शंकर नायक ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, यह घटना बिहार सरकार की विफलता और आदिवासियों के प्रति उनकी उदासीनता का जीवंत प्रमाण है। भाजपा गठबंधन सरकार आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है, लेकिन उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाती। पूर्णिया की यह घटना पहली नहीं है; आदिवासी समाज लगातार अत्याचार, शोषण और हिंसा का शिकार हो रहा है, और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। श्री नायक ने आगे कहा, रडायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली मानसिकता को खत्म करने के लिए सरकार ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए। यह घटना आदिवासी समाज के खिलाफ गहरी साजिश का हिस्सा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम मांग करते हैं कि इस मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो, दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा व सुरक्षा प्रदान की जाए।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, द.पू. रेलवे, रांची, नीचे उल्लिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। विवरण इस प्रकार हैं: **क्रम सं.; निविदा अधिसूचना संख्या; खानपान इकाई; स्टेशन; स्थान; न्यूनतम वार्षिक आरक्षित मूल्य (जीएसटी को छोड़कर); बयाना राशि; निविदा का मूल्य:** [1]; सीएटीजी-स्टॉल-4-जीएमयू-आरएनसी-1; खानपान इकाई स्टॉल संख्या 4; रांची; प्लेटफॉर्म संख्या 01 (गीता प्रेस बुक स्टॉल के बगल में); ₹ **9,36,100.00**; ₹ 2,43,400.00, ₹ 2,500.00; 5 वर्ष; [2]; सीएटीजी-स्टॉल-28-जीएमयू-आरएनसी-1; खानपान इकाई स्टॉल संख्या 28; रांची; प्लेटफॉर्म संख्या 01 (मांसाहारी जलपान कक्ष के बगल में); ₹ **9,36,100.00**; ₹ 2,43,400.00; ₹ 2,500.00; 5 वर्ष। [1]. पूरी बोली प्रक्रिया ऑनलाइन (ई-निविदा) होगी। इस निविदा सूचना दिनांक 07.07.2025 से संबंधित सभी सूचनाएं वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन प्रकाशित की गई हैं। [2]. बोली दस्तावेज 07.07.2025 से 29.07.2025 तक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे और अपलोड किए जा सकते हैं। [3]. बोली 07.07.2025 से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में जमा की जा सकती है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 29.07.2025 को 15:00 बजे तक है और 29.07.2025 को 15:30 बजे खोली जाएगी। (PR-370)

रामचंद्र सहिस की सुरक्षा की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : प्रवीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि पार्टी के प्रधान महासचिव और पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उनके एकमात्र बॉडीगार्ड को क्लोज कर लिया गया है, जबकि सत्ता पक्ष का छोटाझमोटा नेता भी गार्ड लेकर घूम रहा है। उन्होंने सहिस की सुरक्षा अविलंब बहाल करने की मांग राज्य सरकार से की। उन्होंने राज्य सरकार पर आजसू नेताओं के प्रति राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से भेदभाव करने का आरोप लगाया। प्रभाकर पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित आजसू मिलन समारोह के बाद मंगलवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

कांग्रेस को बिहार चुनाव के चुनाव की अधिक चिंता

उन्होंने कहा कि इसके पूर्व आजसू प्रमुख सुदेश महतो की सुरक्षा की अनदेखी करते हुए उनका आवास खाली करवा लिया गया, जबकि पूर्व में राजग सरकार ने झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन को आजीवन आवास आवंटित कर दिया है। प्रभाकर ने कहा कि पूर्णिया में पांच आदिवासियों को जिंदा जलाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस पूर्णिया की घटना का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के मंत्री और नेताओं को झारखंड की नहीं, बल्कि बिहार चुनाव की ज्यादा फिक्र है। कांग्रेस के पास बिहार में क्या कोई नेता नहीं है जो झारखंड से नेताओं को पूर्णिया भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी डायन-बिसाही से संबंधित घटनाओं पर नियंत्रण नहीं हो पाया है। सरकारी आंकड़े के अनुसार विगत तीन वर्षों में मात्र खूंटी जिले में 650 से ज्यादा महिलाएं प्रताड़ित हुई हैं। राज्य में खूंटी, गुमला, लोहरदगा, दुमका, पूर्वी सिंहभूम जिलों में डायन प्रथा की घटनाएं होती हैं। मिलन समारोह में दर्जनों हुए शामिल आजसू छात्र संघ की ओर से आयोजित मिलन समारोह में दर्जनों छात्रोंझयुवाओं ने वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर के समक्ष आजसू का दामन थामा।

एक नजर

11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आकर खलासी की मौत

बोकारो : जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र के मखदुमपुर में सोमवार रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। मिट्टी ढुलाई के दौरान हाइवा वाहन ऊपर से गुजर रही 11,000 वोल्ट की बिजली तार के संपर्क में आ गया। इस हादसे में वाहन पर सवार खलासी राजेंद्र टुडू की मौके पर ही मौत हो गई। राजेंद्र टुडू, कसमार प्रखंड के पौंडा गांव के निवासी थे और रोज की तरह मखदुमपुर में मिट्टी लोड करने पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही हाइवा तार के संपर्क में आया, तेज धमाके के साथ बिजली का झटका खलासी को लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़े। तुरंत उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बालीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हाइवा को जब्त कर लिया। बालीडीह इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है और परिजनों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित सोरेन का किया स्वागत

बोकारो : झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित सोरेन, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सोमर मुंडा को पार्टी में पदाधिकारी बनाए जाने पर मंगलवार को नया मोड़ में स्वागत किया गया। सर्वप्रथम पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पार्टी के नीति और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहन मुर्मू जिला कार्यकारिणी सदस्य कन्हैया सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा महानगर उपाध्यक्ष चंदू सिंह मुंडा ने पार्टी में बनाए गए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और पार्टी के हित में काम करते हुए मुख्यमंत्री के हाथों को मजबूत करने की बात ही। झामुमो बोकारो महानगर उपाध्यक्ष चंदू सिंह मुंडा सहित पार्टी के पदाधिकारी ने झामुमो के संस्थापक एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन, केंद्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे, जिला अध्यक्ष डॉ रतनलाल मांझी, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव को दिल से आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। और बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा संघर्ष से बना पार्टी है हम लोग पार्टी हित में काम करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा को मजबूती प्रदान करने का काम करेंगे एवं सरकार की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे।

बीएसएल में मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ

बोकारो : इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण आगामी अवधि, अर्थात 11 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2026 तक के लिए प्रारंभ कर दिया गया है। इस अवधि के लिए बीमा प्रदाता के रूप में मेसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में मेसर्स एमडी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड का चयन किया गया है। योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम आयु के अनुसार निर्धारित किया गया है। 70 वर्ष से कम आयु के सदस्य के लिए यह 10,011 है, वहीं 70 से 80 वर्ष के बीच आयु वाले सदस्य के लिए 6,861 निर्धारित किया गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य के लिए यह राशि 100 रखी गई है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा ने उठाई पांच सूत्री मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा की ओर से आज एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार से पांच सूत्री मांगों को तत्काल मानने की अपील की गई। मोर्चा ने धनबाद डीएफओ विकास पालिवाल और चास सीएफ कार्यालय के लेखापाल दिपक दास पर भ्रष्टाचार, अवैध संपत्ति और माफियाओं से सांठगांठ के गंभीर आरोप लगाए हैं। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर जयसवाल ने कहा कि दोनों अधिकारियों को बर्खास्त कर उनके चल-अचल संपत्तियों की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। साथ ही समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं मोर्चा के संरक्षक मुमताज अली पर झूठा मुकदमा दर्ज करने की साजिश बंद होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि धनबाद के टुंडी, तोपचांची, गोविंदपुर, निरसा, झरिया समेत कई क्षेत्रों की सैकड़ों एकड़ वन भूमि माफियाओं के कब्जे में है, जिसमें इन दोनों अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। डीएफओ और लेखापाल के अपराधियों से संबंधों की जांच भी सीबीआई या ईडी से कराने की मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष बैद्यनाथ महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री सचिवालय ने पहले ही इन अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब उन्हें मुमताज अली को फंसाने की धमकी दी जा रही है। प्रेस वार्ता में वाल्मुकुन्द अग्रवाल, रुकसार खातून, पंचानन ओझा, चंद्रदीप शर्मा, पवन यादव, नंदन पांडे सहित कई लोग मौजूद थे। अगले सप्ताह चास वन विभाग कार्यालय पर धरना देने की घोषणा की गई।

प्रेस क्लब गठन हेतु उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में पाकुड़ प्रेस क्लब का गठन पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित कराने सहित पदाधिकारियों का चुनाव उपायुक्त की देख रेख में करवाने एवं सदस्यता सूची, नामांकन प्रक्रिया, मतदान तिथि एवं सभी चुनावी चरणों की सूचना सार्वजनिक करते हुए इसे संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को पत्रकारों ने उपायुक्त मनीष कुमार से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापान सौंपा। उपायुक्त ने इसपर सहमति जताते हुए चुनाव की मांग को मानकर आगे विधिवत कारवाई करने की बात कही। ज्ञात हो कि इस मामले को लेकर रविवार को पत्रकारों ने जन सूचना भवन के प्रेस क्लब में एक बैठक किया था। बैठक की अध्यक्षता करने वाले पत्रकार राजेश प्रसाद ने बताया कि प्रेस क्लब, पाकुड़ का आजतक विधिवत, लोकतांत्रिक तरीके से गठन नहीं हुआ है। इसलिए उपायुक्त के समक्ष मंगलवार को ज्ञापन दिया गया तथा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि इस पर जरूरी पहल शीघ्र की जायेगी। मौके पर पत्रकार अमित दास, बलराम ठाकुर, राजेश पांडे, अख्तर हुसैन आलम, ममता जयसवाल, सुदीप त्रिवेदी, प्रीतम सिंह यादव, बजरंग पंडित, रवि शंकर कुमार, अहसान आलम, सतनाम सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

समान काम का समान दाम और पदनाम हर हाल मे देना होगा : राजेंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को सेल बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन एवं कोक- केमिकल्स विभाग के कैंटीन नंबर 1 रेस्ट रूम मे प्रबंधन के तानाशाही एवं मजदूर विरोधी नीति के खिलाफ क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ की विशाल मीटिंग हुई। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि आज सर्वोच्च उत्पादन के बावजूद प्रबंधन के नकारात्मक रवैये के कारण उत्पादन करने वाले मजदूरो के हाथ खाली हैं। अधिकारी गण उत्पादन का सारा श्रेय स्वयं लेकर पी आर पी का मजा ले रहे हैं। कल उप श्रमायुक्त केन्द्रीय, धनबाद के समक्ष मीटिंग में ठेका मजदूरो के ग्रेच्युटी तथा स्किल्ड मजदूरो के एरक्ळ पर भी चर्चा हुई। अगली मीटिंग 23 जुलाई को होगी। प्रबंधन कान खोल कर सुन ले जब तक मजदूरो को न्याय और हक नहीं मिल जाता तब तक ना तो हमारा आन्दोलन रूकेगा ना हीं अधिकारियो को चैन से बैठने देंगे। ना नाइट शिफ्ट एलाउंस, ना ग्रेच्युटी, ना एरक्ळ,मिनिमम वेज भी भवन निर्माण का उसमे भी छीना झपटी मतलब शोषण चरम पर है। अंत में श्री सिंह ने प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रबंधन जल्द अपनी नीति और नियत मे सुधार करे नहीं तो हम किसी भी हद तक आंदोलन के लिये बाध्य होंगें। मीटिंग को श्री सिंह के अलावे शशिभूषण, जुम्मन खान, हरेराम, नागेंद्र कुमार, अमित यादव, आनंद कुमार, सिराज अहमद, टुनटुन सिंह आदि ने संबोधित किया।

हड़ताल की पूर्व संध्या पर कोडरमा प्रखंड मुख्यालय में सेविका सहायिकाओं ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के आह्वान पर केन्द्र सरकार की मजदूर - किसान विरोधी नीतियों और लेबर कोड के खिलाफ ट्रेड यूनियनों की एकदिवसीय देशव्यापी हड़ताल आज है। हड़ताल की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए सीटू और कई संगठनों ने समीक्षा बैठक किया। सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश और जिला सचिव रमेश प्रजापति ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि हड़ताल के लिए मजदूर काफी उत्साहित हैं। यह हड़ताल मजदूर आंदोलन में मिल का पत्थर साबित होगा। हड़ताल के दिन संयुक्त ट्रेड यूनियन का केन्द्रीय जुलूस झुमरीतिलैया में वीर कुंवर सिंह पार्क से निकलेगा जो श्रम अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन व सभा में तब्दील हो जाएगा। दूसरा जुलूस सीटू के बैनर मे कोडरमा के हनुमान मंदिर चौक से निकलेगा जो समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शन व सभा में तब्दील हो जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविका सहायिका, रसोईया, माइका मजदूर आदि शामिल रहेंगे। हड़ताल की पूर्व संध्या पर मंगलवार को झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन के बैनर तले प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी के नेतृत्व में कोडरमा प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया और हड़ताल के समर्थन में जमकर नारेबाजी की गई। वहीं झारखंड राज्य किसान सभा ने भी हड़ताल को सक्रिय समर्थन दिया है और जन सम्पर्क अभियान चलाकर किसानों से व्यापक गोलबंदी की अपील की है। वहीं हड़ताल के पक्ष में राजद, जेएमएम और वामदलों ने भी समर्थन की घोषणा की है। इन दलों के कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतरेंगे।

इनर व्हील क्लब ऑफ कोडरमा की बैठक संपन्न

पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को आगे आने की जरूरत : ज्योति झा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : कोडरमा इनर व्हील क्लब कोडरमा की पहली सामान्य बैठक उपाध्यक्ष कंचन भदानी के निवास स्थान नारायण भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इनरवेल के अध्यक्ष ज्योति झा ने किया। जबकि संचालन सचिव आरती आर्या ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए ज्योति झा ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हम सबों की जिम्मेवारी है। इसके लिए हम सबों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए सभी को कम से कम एक पौधा लगाने के साथ-साथ उसकी देखभाल भी करने की जरूरत। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान पदाधिकारियों का कार्यभार सुचारु रूप से सौंपा गया। जिसमें पूर्व पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को पिन और फाइलें सौंपीं। इसके अतिरिक्त, कपड़े के थैले जिन पर इनर व्हील का लोगो अंकित, गांव की महिला श्रमिकों के बीच वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य रहा।

झुमरीतिलैया नगर परिषद ने किया 'वस्त्र एवं किताब दान कार्यक्रम' का आयोजन

टोटो को केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं उपायुक्त ने किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : नगर परिषद द्वारा समाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने हेतु वस्त्र दान एवं किताब दान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ब्लॉक रोड स्थित जिला पुस्तकालय से प्रारंभ किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में नागरिकों ने पुराने उपयोगी वस्त्रों और पुस्तकों को दान कर मानवीय सेवा में योगदान दिया। इस अवसर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक चलंत टोटो वाहन की व्यवस्था की गई, जिसे केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं कोडरमा उपायुक्त ऋतु राज द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह टोटो नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों से वस्त्र और किताबें एकत्र करेगा, जो बाद में जरूरतमंदों तक पहुँचाई जाएँगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि वस्त्र दान का बहुत महत्व है, यह न केवल जरूरतमंदों की मदद करता है बल्कि दान करने वाले को भी कई लाभ पहुंचाता है। पुस्तक दान का बहुत महत्व है, यह ज्ञान और शिक्षा को फैलाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। इससे न केवल जरूरतमंदों को ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि यह पढ़ने के प्रति प्रेम और सामुदायिक जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है। कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज ने कहा यह पहल जन सहयोग से चल रही है और नागरिकों से अपील है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस पुनीत कार्य में भाग लें। ओर जरूरत मंद लोगो को वस्त्र मुहैया कराया जा सके। नगर परिषद प्रशासक अंकित गुप्ता ने बताया कि वस्त्र एवं किताब दान कार्यक्रम को लेकर नगर परिषद क्षेत्र में टोटो संचालित किया जा रहा है जिसमें शहरवासी अपना वस्त्र एवं किताब दान कर सकते हैं ओर अगर किन्ही शहरवासी को दान करने में किसी प्रकार कि समस्या है तो वो 8473868856 इस नंबर पर सम्पर्क कर सकते है। मौके पर कोडरमा डीडीसी रवि जैन,डीआईओ सुभाष यादव, सभी रेवेन्यू इंस्पेक्टर, पर्यवेक्षक, मिल्टन टंडन, बिमल शर्मा समेत नप के अनेकों पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

संगीता शर्मा ने ने बेस्ट असिस्टेंट गवर्नर का अवार्ड प्राप्त किया

कोडरमा : रोटरी क्लब जोन 8 की असिस्टेंट गवर्नर के पद पर डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी धनबाद में बेस्ट असिस्टेंट गवर्नर का अवार्ड प्राप्त करने पर रोटरी असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा ने मॉडर्न पब्लिक स्कूल में नवादा रोटरी क्लब, हजारीबाग जागृति रोटरी क्लब, और रोटरी क्लब कोडरमा के पदाधिकारी सदस्य को आभार स्वागत अभिनंदन पार्टी में आमंत्रित किया सभी लोगों ने रंगारंग संगीत कार्यक्रम लजीज व्यंजनों के साथ इस कार्यक्रम का आनंद लिया इस खुशी में सभी क्लब के अध्यक्ष ने केक काटकर अपनी उपलब्धि का सेलिब्रेट किया असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा को अपने प्रभार जोन 8 में सेवा क्षेत्र में किए गए कार्यों के कारण डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चाचन के द्वारा बेस्ट असिस्टेंट गवर्नर के साथ-व्यक्तिगत रूप से 5 अवार्ड और दो सर्टिफिकेट मिले रोटेरियन संगीता शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि पाकर मैं बहुत खुश हूं जॉन 8 के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करती हूं और आज इस खुशी में सभी को शामिल करने के लिए यह कार्यक्रम का आयोजन किया है रोटरी क्लब नवादा और हजारीबाग जागृति क्लब ने बहुत कम सदस्यों के बाद भी समाज के बीच सेवा क्षेत्र के बहुत कार्य किए हैं और अपने क्लब के लिए कई अवार्ड जीते हैं सभी के प्रयास के कारण उन्हें धनबाद में कई अवार्ड 100 प्रतिशत पीएचएफ क्लब,100 प्रतिशत ऐरे क्लब, बेस्ट कम्युनिकेशन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, टीआरएफ अवार्ड, डोमचांच रोटरी सैटलाइट क्लब की स्थापना, पोलियो के प्रति जागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण के लिए सेवा योगदान, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण में योगदान के लिए अवार्ड एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया नवादा रोटरी क्लब के अध्यक्ष राजेश्वर प्रसाद हजारीबाग जागृति क्लब की अध्यक्ष मंदिरा गुप्ता रोटरी क्लब कोडरमा के अध्यक्ष अमित कुमार ने असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सत्र 24 -25 में उनके सहयोग योगदान के कारण जनहित के बहुत कार्य करने में सफलता प्राप्त हुई।

तिलैया डैम ओपी में नई कमान प्रेम कुमार बने थाना प्रभारी

कोडरमा : जिले में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक नया कदम उठाते हुए प्रेम कुमार ने मंगलवार को तिलैया डैम ओपी थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। थाना पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने उनका बूके देकर स्वागत किया, और निवर्तमान थाना प्रभारी नवीन कुमार ने उन्हें विधिवत रूप से पदभार सौंपा। जिला पुलिस कप्तान अनुदीप सिंह ने प्रेम कुमार की कार्यकुशलता से प्रभावित होकर उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुना। पदभार ग्रहण करने के बाद स्पष्ट किया कि उनकी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में शांति और अमन-चैन स्थापित करना, पुराने अपराधियों पर नकेल कसना और चोरी की घटनाओं को रोकना होगी प्रेम कुमार ने पुलिस-पब्लिक संबंधों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को निर्भीक होकर थाने में लाएं, ताकि त्वरित समाधान किया जा सके। इसके साथ ही, उन्होंने नशाखोरी को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया, जो क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों का एक प्रमुख कारण है। प्रेम कुमार ने कहा कि तिलैया डैम ओपी थाना पुलिस जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है। उनकी यह प्रतिबद्धता न केवल अपराध नियंत्रण में, बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया और एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत

कोडरमा : ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया और एक पेड़ मां के नाम के अभियान में युवा भारत पतंजलि परिवार निशुल्क आयुर्वेद औषधि का पेड़ पौधा पूरे झुमरी तिलैया से लेकर कोडरमा जिला के कोने-कोने तक चार दिवारी के अंदर सुरक्षा दृष्टिकोण को देखते हुए हजारों जड़ी बूटी पेड़ पौधा लगाया जाएगा उसकी अभियान आज से शुरू हुई , इस कार्यक्रम पतंजलि परिवार के पूर्णकालिक योगाचार्या योगी सुषमा सुमन के अगुवाई में होगी सुषमा सुमन ने बताई की भारत ऋषि मुनियों का देश है और आयुर्वेद औषधियां से जीवन रक्षक औषधीय होती है उदाहरण में रामायण से प्रेरणा स्रोत मिलती है राम और रावण दोनों में युद्ध हुई थी लक्ष्मण को शक्तिमान तीर लग गई थी और वह पूरी तरह घायल हो गए थे प्राण बचाना मुश्किल हो गया था और वह मूर्छित हो गए थे लेकिन एक वैध ने संजीवनी बूटी लाने के लिए बोला गया हनुमान जी ने संजीवनी बूटी खोज के लायें और उसे पीसकर तीन चम्मच रस दिये उनकी जिंदगी फिर पुणा वापस मिल गई, जड़ी बूटी में बहुत ताकत है आने वाले समय आयुर्वेद औषधि का समय होगा और प्रत्येक व्यक्ति जिंदगी जीने का 100 वर्ष का होगा ओशधन आयु इसलिए पूरी मेहनत इस पर किया जा रहा है और पूरे पतंजलि परिवार सहयोग करेंगे युवा भारत पतंजलि राज्य कार्यकारिणी सदस्य स्वदेशी प्रचारक प्रदीप कुमार सुमन ने बताया की इस बार जिला प्रशासन और नगर परिषद के साथ मिलकर यह अभियान पूरा करेंगे , और जो जड़ी बूटी पौधा लगाया जाएगा उसका नाम है पारिजात जिसको हरसिंगार भी कहते हैं ।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, 50 वर्षीया महिला घायल

राजमहल : प्रखंड अंतर्गत सागड़भंगा पंचायत के हिसीगंज गांव में सोमवार को रात 11 बजे दो पक्षों के बीच आपसी विवाद ने अचानक उग्र रूप धारण कर लिया, जिसके चलते दोनों ओर से मारपीट की नौबत आ गई। इस हिंसक झड़प में एक 50 वर्षीया महिला, सुमी हेंब्रम, गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, किसी पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी, जो धीरे-धीरे हाथापाई और फिर मारपीट में तब्दील हो गई। इस दौरान सुमी हेंब्रम को गंभीर चोटें आई है। मौके पर उपस्थित स्थानीय ग्रामीणों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की और घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टरों के अनुसार, घायल सुमी हेंब्रम की स्थिति गंभीर बनी हुई है, हालांकि उन्हें स्थिर करने की हरसंभव कोशिश की जा रही है।

एक नजर

सर्पदंश से मजदूर की मौत, परिवार में पसरा मातम

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र के परसिया गांव में बीते सोमवार की रात सर्पदंश से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सकलदेव राम (40) स्व. पिता रघु राम प्रतिदिन की तरह मजदूरी कर पैदल अपना घर परसिया लौट रहा था। घर के समीप पहुंचता इस बीच रात्रि के लगभग 9:00 बजे सड़क पर पड़ा विशाल करैत सर्प ने उसे डंस लिया। घटना की सूचना मिलने पर परिवार तथा पड़ोस के लोग पहुंचे।सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को उचित इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान मंगलवार की प्रात: 4:00 बजे उसने दम तोड़ दिया।घटना के बाद परिवार सहित गांव में मातम का माहौल है। परिवार में रो-रो कर बुरा हाल है।घटना के संबंध में स्थानीय मुखिया के पुत्र अशोक तुरी ने बताया कि उक्त व्यक्ति गरीब परिवार से है। मजदूरी घर जीवन यापन करता था। उसने अपने पीछे विधवा पत्नी तथा दो छोटी-छोटी पुत्रियों को छोड़ गया है। इधर मृतक का अंत्य परीक्षण सदर अस्पताल हजारीबाग में कराए जाने के बाद शव को पैतृक गांव लाया गया। शव पहुंचते ही पूरा माहौल गमगीन हो गया। परिवार के लोग दहाड़ मार मार कर रोने लगे।

भारी बारिश से गिरा कच्चा मकान, दबकर वृद्धा की मौत

खूंटी : सदर प्रखंड के बेलागड़ा गांव में सोमवार रात भारी बारिश के कारण एक कच्चा मकान ध्वस्त हो गया और इसके मलबे में दबने से वृद्धा हन्ना टूटी (60) की मौत हो गई। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हन्ना का मिट्टी से बना जर्जर मकान देर रात भरभराकर गिर गया। इसके मलबे में दबने से वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय घर में सिर्फ हन्ना टूटी और उसका पुत्र बेलोम टूटी मौजूद थे। सौभाग्य से बेटा मलबे से सुरक्षित बाहर निकल आया, लेकिन उसकी मां की जान चली गई। हन्ना के परिवार वालों ने बताया कि हन्ना टुटी अत्यंत गरीब थीं और उन्होंने कई बार आबुआ आवास योजना के तहत पक्का घर के लिए कई बार आवेदन दिया था, लेकिन उन्हें अब तक आवास स्वीकृत नहीं हुआ। मजबूरी में वह उसी जर्जर मिट्टी के घर में रह रही थी, जिसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया के अलावा आदिवासी कांग्रेस के खूंटी जिला अध्यक्ष फुलचंद टूटी, वार्ड सदस्य और ग्रामीण नइस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतका के परिवार को मुआवजा देने और आपदा राहत के तहत तत्काल मदद की मांग की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा का आयोजन

ईचागढ़ : जिला बार एसोसिएशन सरायकेला खरसावां के वरिष्ठ अधिवक्ता गोलक बिहारी कवि,उम्र- 90 वर्ष का निधन मंगलवार को हुआ। वो मूल रुप से ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के चिमटिया गांव के रहने वाले थे। वही अधिवक्ता शिवेश्वर महतो ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता गोलक बिहारी कवि एक ईमानदार व्यक्ति थे और लोगों के कार्य को सहशता पूर्वक निपटारा करते थे। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता के निधन पर मंगलवार को चांडिल अनुमंडल बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्तागण शोक व्यक्त करते हुए उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पांकी और सदर सीओ पर म्यूटेशन मामलों में देरी के लिए लगेगा जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : उपायुक्त समीरा एस ने मंगलवार को राजस्व से जुड़े सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्व उगाही में सभी रुकावटों को दूर करते हुए लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें। उपायुक्त समाहरणालय में राजस्व संग्रहण की वर्तमान स्थिति पर विभागीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थी। उपायुक्त ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि इस वित्तिय वर्ष में अबतक वार्षिक लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सका है। बैठक में पाया गया कि पिछले साल प्राप्त लक्ष्य के आधार पर अबतक 13

प्रतिशत की ही वसूली हुई है। उल्लेखनीय है वित्तिय वर्ष 2024-25 में खनन विभाग का वार्षिक लक्ष्य 41357 लाख रुपये का था। डीसी ने खान निरीक्षक को खनन के क्षेत्र में राजस्व वसूली में तेजी लाने को कहा। परिवहन विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने पाया कि विभाग को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 7608.30 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था, इसके विरुद्ध परिहवन विभाग ने अबतक 2230.59 लाख रुपये की राजस्व वसूली कर ली है। इस दौरान उपायुक्त ने डीटीओ से कहा कि अगली माह होने वाली सड़क सुरक्षा की मीटिंग में यह आंकड़ा बढ़ा मिले यह सुनिश्चित करें। उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने उपायुक्त को बताया कि उत्पाद विभाग को 14000 लाख रुपए वसूली का वार्षिक लक्ष्य दिया गया था, इसके विरुद्ध जून माह तक 3117.01 लाख रुपये के राजस्व वसूली कर ली गयी है, जो 22 प्रतिशत है। इसी तरह अवर निबंधन, राष्ट्रीय बचत विभाग, नगर निगम, विद्युत आपूर्ति विभाग की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण के लिए लंबित भूमि के विवरणी का अंचलवार समीक्षा की। बैठक में पर्याप्त जानकारी नहीं होने पर पर डीसी ने हुसैनाबाद सीओ के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी से स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी बैठक में उचित जानकारी व मीटिंग से जुड़े सभी प्रतिवेदन के साथ भाग लेना सुनिश्चित करें। बैठक में भू-लगान, निबंधन, दाखिल-खारिज, सकसेशन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन और भूमि सीमांकन की भी समीक्षा की गयी। डीसी ने म्यूटेशन के आवेदनों को समय पर निष्पादन नहीं करने और निर्धारित अवधि से ज्यादा दिनों तक म्यूटेशन के आवेदनों को लंबित रखने को लेकर पांकी और सदर सीओ पर राइट टू सर्विस एक्ट के तहत जुमार्ना लगाने के निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सदर और छत्तरपुर अनुमंडल पदाधिकारी, तीनों भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटमदा के धूसरा गांव में 25 दिन से अंधेरा खराब ट्रांसफॉर्मर से ग्रामीणों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा के धूसरा गांव के ग्रामीण 25 दिनों से अंधेरे में काट रहे थे रात। विद्युत विभाग के द्वारा लंबे दिनों के इंतजार के बाद सोमवार को 100 केवी का ट्रांसफॉर्मर लगाने के बाद करीब आधे घंटे तक गांव में बत्ती जली तो लोगों ने राहत को सांस ली। ग्रामीणों को लगा अब उनकी परेशानी खत्म होने वाली है। लेकिन तुरंत बाद ट्रांसफॉर्मर से धुआं उठा और धमाकों के साथ बिजली दुबारा गायब हो गई। इसके बाद ग्रामीणों में विभाग के प्रति काफी आक्रोश है। पटमदा के धूसरा गांव का विद्युत ट्रांसफॉर्मर खराब होने पर 25 दिनों के जद्दोजहद के बाद सोमवार को विभाग की ओर से लगाया गया। 100 केवी का ट्रांसफॉर्मर को लगाने के बाद

करीब आधे घंटे तक गांव में बत्ती जली । कुछ देर बाद तुरंत चली गई। इस संबंध में गांव के हरिहर सिंह, प्राणकृष्ट सिंह, दुर्गा प्रसाद सिंह बेदिया, कृष्णा तंतुबाई, सागर सिंह, संदीप मुर्मू, राकेश सिंह एवं हम्बीर ब्रह्मचारी ने बताया कि विद्युत विभाग की लापरवाही से ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। भारी बारिश में जहां ग्रामीण अंधेरे में रहने को विवश हैं। लोगों को फोन चार्ज करने के लिए दूसरे गांव जाना पड़ रहा है और मिट्टी तेल के अभाव से डिबरी भी नहीं जला पा रहे हैं। इससे खासकर बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। वही बारिश में अंधेरे में बिच्छू का भय भी सता रहा हैं।

फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले दिन खूंटी का शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला की मेजबानी में आयोजित प्रमंडलीय स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले दिन मंगलवार को खूंटी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंडर 17 बालिका वर्ग में पहला मैच खूंटी बनाम लोहरदगा के बीचा खेला गया, जिसमें खूंटी 4-0 से विजयी रही। दूसरा मैच खूंटी बनाम सिमडेगा कें बीच खेला गया जिसमें खूंटी 4-0 से विजय रही। अंडर 17 बालक वर्ग में खूंटी का पहला मैच लोहरदगा से खेला गया जिसमें खूंटी 6-0 से विजयी रही। दूसरे मैच को खूंटी बनाम सिमडेगा में खेला गया। इस रोमांचक मैच में सिमडेगा 2-1 से विजय रही। अंडर 15 बालक वर्ग में खूंटी का मुकाबला लोहरदगा से हुआ जिसमें लोहरदगा की टीम 3-0 से विजयी हुई। उद्घाटन समारोह में पुलिस अधीक्षक गुमला और उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीर सेन, ए सोरेंग सोरेन, जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनीता देवी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, खेल कोषांग के चंद्रदेव सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

कपाली में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त कांग्रेस ने नगर परिषद को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़: लगातार हो रही भारी बारिश ने कपाली नगर परिषद क्षेत्र में जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। जलजमाव और गंदगी की गंभीर स्थिति से परेशान लोगों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेस नगर कमिटी कपाली ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को एक तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा है। इस पत्र में वर्षा जनित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई है। कपाली नगर कांग्रेस अध्यक्ष शानूर रहमान उर्फ एसपी भाई के नेतृत्व में नगर परिषद कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इंदिरा गांधी शहरी आवास योजना क्षेत्र, कबीर नगर कॉलोनी के पीछे, इस्लाम नगर बाबा गुंडी जैसे इलाकों में हालात बदतर हो चुके हैं। इन क्षेत्रों में जलजमाव के चलते घरों में पानी घुस गया है, जिससे लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। वहीं, गंदगी और सड़कों की जर्जर स्थिति के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि नगर परिषद द्वारा तत्काल सफाई अभियान चलाया जाए, जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत अविलंब करवाई जाए। कांग्रेस कमिटी का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह स्थिति और भयावह हो सकती है। स्थानीय लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी है कि नगर प्रशासन संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई करे। इस मौके पर ज़िला वरीय उपाध्यक्ष सैय्यद अशरफ अली, नगर सचिव ऐनुल अंसारी, पूर्व ज़िला सचिव मोहम्मद अरशद खान, मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद शाकिब समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

चार काले श्रम संहिता कानून के खिलाफ में मुरी में प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : 9 जुलाई 2025 को देश भर में चार काले श्रम संहिता के खिलाफ में आम हड़ताल का आयोजन किया गया है। जिसके समर्थन में मुरी हिंडाल्को के संगठित एवं असंगठित मजदूरों ने नुक्कड़ सभा किए । इस सभा का संचालन मुकेश साहु ने किया तथा सदानंद सोनार, नाजीर हुसैन, सुमित महतो उर्फ डोला ने अपनी बातों को रखा। सदानंद सोनार ने कहा कि चार श्रम संहिता कानून के तहत काम के घंटे को 8 की जगह 12 कर दी जायेगी, मजदूरों के सुरक्षा और अधिकारों को कमजोर कर दी जायेगी,मालिकों को बिना अनुमति के ही छूटनी का अधिकार दे दी जाएगी, स्थाई नौकरी को समाप्त कर अस्थाई नौकरी लागू कर दिया जाएगा ताकि मजदूरों को किसी प्रकार का बोनस ना दिया जाए मेडिकल समाप्त कर दी जाएगी सुरक्षा समाप्त कर दी जाएगी इसलिए पूरा देश को कॉर्पोरेट के हवाले करने का प्रयास यह मोदी सरकार कर रही है इसके खिलाफ में हम सभी को एकजुट होकर इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए। इस नुक्कड़ सभा में निताई महतो, अरूण सोनार, तारकेश्वर पाठक, संजय पाल , कन्हाई माझी,जोगेंद्र महतो बुद्धदेव महतो,सुखन महतो, विश्वनाथ कर्मकार आदि लोगों ने योगदान दिए।

मुहर्रम के जुलूस में ताजिये के साथ शामिल हुए विभिन्न अखाड़ों के लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हसन हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम के अवसर पर मंगलवार को शहर में पहलाम का मुख्य जुलूस निकाला गया। मुहर्रम के मुख्य जुलूस में कर्रा रोड इमामबाड़ा (बरपिंडा), जन्नत नगर, लियाकत अली लेन, आजाद रोड, मेला टांड़, मस्जिद गली आदि क्षेत्रों के अखाड़े वाले लोग अस्त्र -शस्त्र, गाजे-बाजे, निशान और ताजिया के साथ कर्रा रोड स्थित शिवाजी चौक (गुदड़ी) में इकट्ठा हुए। फिर वहां से आजाद रोड, मेन रोड, नेताजी चौक, थाना

परिसर होते हुए जुलूस कर्रा रोड स्थित कर्बला पहुंचकर समाप्त हुआ। इसके बाद कर्बला पहुंचने के बाद जुलूस में शामिल लोगों ने फातेहा पढ़ा। जुलूस में शामिल लोग नारे तकबीर अल्लाह हू अकबर, या अली-या अली की नारेबाजी और अस्त्र-शस्त्र के साथ अपने करतब का प्रदर्शन करते चल रहे थे। जुलूस में मोहर्रम कमेटी क्लब श्री स्टार कर्रा रोड इमामबाड़ा (बरपिंडा) की सुंदर ताजिया के साथ ही जन्नतनगर मोहर्रम कमेटी सहित अन्य अखाड़े की झांकियां भी शामिल थीं। जुलूस का नेतृत्व सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष सयूम अंसारी, सचिव नईम अंसारी, अंजुमन इस्लामिया खूंटी के सदर शमशाद अंसारी, सचिव खालिद अहमद, इम्तियाज अंसारी सहित अन्य पदधारी कर रहे थे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की कमान अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, एसडीपीओ वरुण रजक, अंचलाधिकारी एसपी आर्या, बीडीओ ज्योति कुमारी, थाना प्रभारी मोहन कुमार आदि संभाले हुए थे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जुलूस के आगे पीछे दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा बल के जवान तैनात थे।

संक्षिप्त खबरें

सिंहभूम कॉलेज परिसर में बैंक चालान जमा की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

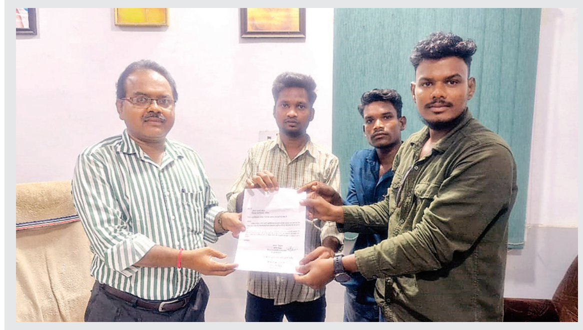

चांडिल : झारखंड छात्र मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व छात्र संघ नेता सुदामा हेम्ब्रम के नेतृत्व में एक छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सिंहभूम महाविद्यालय, चांडिल के प्राचार्य डॉ. सरोज कुमार कैवर्त को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महाविद्यालय परिसर में ही बैंक चालान जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इस दौरान सुदामा हेम्ब्रम ने बताया कि वर्तमान में छात्रों को बैंक चालान जमा करने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर जाना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी असुविधा होती है और पढ़ाई का समय भी व्यर्थ होता है। उन्होंने कहा कि यदि यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में ही उपलब्ध करवा दी जाए, तो छात्रों को काफी राहत मिलेगी और वे अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने प्राचार्य से इस मांग पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने विश्वास जताया कि कॉलेज प्रशासन छात्रों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सकारात्मक पहल करेगा। इस मौके पर छात्र नेता सोनू मांझी, सोमाय टुडू, रंजन सोरेन, विजय हांसदा, सोम महतो, रिंकू टुडू समेत कई छात्र उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में इस मांग का समर्थन करते हुए कॉलेज प्रशासन से जल्द निर्णय लेने की अपील की।

सिल्ली विधायक के पहल पर लगा नया ट्रांसफार्मर

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार के दिन सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो के पहल पर कोंचो पंचायत के जोबला गांव में 200 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया जिसका उद्घाटन बुधनी देवी, ललनी देवी, वैशाखी देवी एवं सिल्ली पूर्वी जिला परिषद प्रतिनिधि अखिल महतो ने संयुक्त रूप से किया। नए ट्रांसफार्मर के लगते ही ग्रामीणों के बीच खुशी का लहर दौड़ पड़ा। ग्रामीणों ने खुशियों के साथ आपस में एक दूसरे के बीच मिठाइयां बांटी। अंत में ग्रामीणों ने सिल्ली विधानसभा के विधायक अमित कुमार महतो का आभार जताते हुए धन्यवाद दिया। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता जयराम कोइरी, प्रहलाद कोइरी, विश्वनाथ कोइरी, बीरेंद्र कोइरी, बद्रीनाथ कोइरी, रेंघू कोइरी, बेहल्या देवी समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

होटल और घरों का पानी सड़क पर बहाने वालो के खिलाफ होगी कार्रवाई : नवीन झा

खूंटी : तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा और सीओ पूजा बिन्हा ने तोरपा के दुकानदारों और नागरिकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे सड़कों पर गंदा पानी न बहायें। बीडीओ और सीओ के अलावा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता रामसुंदर राम, कनीय अभियंता रावेल होरो, तोरपा पश्चिमी पंचायत के मुखिया जॉन तोपनो, तोरपा पूर्वी की मुखिया विनीता नाग ने मंगलवार को संयुक्त रूप से मेन रोड में हो रहे जल जमाव का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क पर जल जमाव ना हो इसके लिए नालियों की सफाई करने को कहा। कई जगहों पर जेसीबी मशीन से नाली की सफाई भी की गयी। अधिकारियों की टीम ने होटल तथा घरों से पानी सड़क पर नहीं बहाने को कहा। उन्होंने कहा कि सड़क और नालियों का अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा।

कार्यालय,असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला

ज्ञापांक ..../दिनांक 2025/

आवश्यक सूचना

एन0एच0एम0 अंतर्गत स्वास्थ्य विभागीय विज्ञापन संख्या 1327, दिनांक 09.05.2025 के आलोक में प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करने के उपरांत योग्य एवं अयोग्य उम्मीदवारों की सूची https://gumla.nic.in में अपलोड कर दी गयी है।

जिन उम्मीदवारों को आपत्ति दर्ज करनी हो तो वे अपनी आपत्ति दिनांक 17.07.2025 तक सिविल सर्जन कार्यालय, गुमला में कर सकते है। निर्धारित तिथि के उपरांत किसी प्रकार की आपत्ति की सुनवाई नहीं होगी।

असैनिक शल्य चिकित्सक –सह– मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला

PR 356767 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

ऊर्जा विभाग, झारखण्ड सरकार
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0-2 धुर्वा, रॉची

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई-निविदा प्रसंग सं0- Energy/EWD/Ranchi/30/2025-26 दिनांक-08/07/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	रिनपास, कॉके, रॉची स्थित पुरूष वार्ड के ड्रग डेडिकेशन वार्ड के के बाऊड्री वॉल से साथ लगे सुरक्षा लाईट के बदलीकरण का कार्य।	91,57,910=00	10,000=00	1,85,000=00	56 दिन
II	रिनपास, कॉके, रॉची स्थित महिला वार्ड के सुरक्षा लाईट के बदलीकरण का कार्य।	99,74,567=00	10,000=00	2,00,000=00	56 दिन
III	रिनपास, कॉके रॉची स्थित वार्डर लाईन/ बाबु लाईन के सुरक्षा लाईट एवं गेट लाईट के अधिष्ठापन का कार्य।	50,89,197=00	10,000=00	1,02,000=00	56 दिन
IV	रिनपास, कॉके, रॉची स्थित पुरूष वार्ड के सुरक्षा लाईट के बदलीकरण का कार्य।	99,28,644=00	10,000=00	1,99,000=00	56 दिन
V	रिनपास, कॉके रॉची स्थित महिला वार्ड एवं बगान के एल्युमिनियम आर्मड केबल, आउटडोर फीडर पैनल एवं मेन पैनल के बदलीकरण का कार्य।	78,36,944=00	10,000=00	1,57,000=00	56 दिन
VI	रिनपास, कॉके रॉची बजारटॉड स्थित छात्रा छात्रावास, महिला वार्ड गेट, आवास सं0 95, 104, 107 वार्ड लाईन एव ब्लॉक C एवं K में विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति एवं महिला वार्ड के मेन केबल, जेनरेटर केबल, मेन पैनल से प्रशासनिक ब्लॉक फिडर पैनल तक के बदलीकरण, एवं 18 ब्लॉक और 8 अदद् सिंगल क्वार्टर के ओभर हेड केबल को XLPE AB केबल से बदलीकरण एवं सर्विस केबल के बदलीकरण का कार्य	68,31,022=00	10,000=00	1,37,000=00	56 दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	17.07.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	18.07.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 23.07.2025 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	24.07.2025 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत कार्य अंचल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651-2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची

PR 356795 Energy(25-26)#D

इतिहास में अमर है रणथंबोर का जौहर

भारत पर हुए मध्यकाल के आक्रमण साधारण नहीं थे। हमलावरों का उद्देश्य धन संपत्ति के साथ स्त्री और बच्चों का हरण भी रहा, जिन्हें वे अत्याचार के साथ गुलामों के बाजार में बेचते थे। इससे बचने के लिए भारत की हजारों वीरांगनाओं ने अपने बच्चों के साथ जल और अग्नि में कूदकर अपने स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा की। ऐसा ही एक जौहर रणथंबोर में 09 जुलाई 1301 से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला। इस जौहर में राणा हमीर देव की रानी रंगा देवी ने अपनी पुत्री पद्मा के साथ जौहर किया। उनके साथ बारह हजार अन्य स्त्री और बच्चों ने जल और अग्नि में कूदकर अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

रानी रंगादेवी चित्तौड़ की राजकुमारी थीं और रणथंबोर के इतिहास प्रसिद्ध राजा हमीरदेव को ब्याहीं थीं। रणथंबोर का यह राज परिवार पृथ्वीराज चौहान का वंशज माना जाता है। मोहम्मद गौरी के हमले से दिल्ली के पतन के बाद उनके एक पुत्र ने रणथंबोर में राज स्थापित कर लिया था। इसी वंश में आगे चलकर 07 जुलाई 1272 को हमीरदेव चौहान का जन्म हुआ। उनके पिता राजा जेत्रसिंह चौहान ने भी दिल्ली सल्तन के अनेक आक्रमण झेले थे, लेकिन रणथंबोर किले की रचना ऐसी थी कि हमलावर सफल न हो पाये। लगातार हमलों से राजपूताने की महिलाएं भी आत्म रक्षा के लिए शस्त्र संचालन सीखती थीं। हमीरदेव की माता हीरा देवी भी युद्ध कला में प्रवीण थीं। परिवार की पृष्ठभूमि ही कुछ ऐसी थी कि हमीर देव ने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। उन्होंने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े और 16 जीते। जिस अंतिम युद्ध में उनकी पराजय हुई उसी में उनका बलिदान हुआ। उन्होने 16 दिसंबर 1282 को रणथंबोर की सत्ता संभाली थी। उनका पूरा कार्यकाल युद्ध में बीता। दिल्ली के शासक जलालुद्दीन ने 1290 से 1296 के बीच रणथंबोर पर तीन बड़े हमले किए पर सफलता नहीं मिली। अलाउद्दीन उसका भतीजा था जो 1296 में चाचा की हत्या करके गद्दी पर बैठा। गद्दी संभालते ही अलाउद्दीन ने राजस्थान और गुजरात पर अनेक धावे बोले। पर रणथंबोर अजेय किला था। वह अपने चाचा के साथ रणथंबोर में पराजय का स्वाद चख चुका था इसलिए उसने यह किला छोड़ रखा था तभी 1299 में एक घटना घटी। अलाउद्दीन की सेना गुजरात से लौट रही थी। उसके दो मंगोल सरदार मोहम्मद खान और केबरु खान रास्ते में रुक गए और रणथंबोर में राजा हमीर देव के पास पहुंचे। दोनों ने अलाउद्दीन के विरुद्ध शरण मांगी। हमीर देव ने विश्वास करके दोनों को न केवल शरण दी अपितु जगाना की जागीर भी दे दी। इस घटना के लगभग दो वर्ष बाद अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला। यह कहा जाता है कि अलाउद्दीन इन दोनों को शरण देने से नाराज था। इसलिए धावा बोला पर कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह अलाउद्दीन खिलजी की रणनीति थी। इन दोनों ने न केवल किले के कई भेद दिए अपितु हमीर देव की सेना में भेद पैदा किया, इससे हमीर देव के दो अति विश्वस्त सेनापति रणमत और रतिपाल अलाउद्दीन से मिल गए। इतना करने के बाद 1301 में अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला तब हमीर देव एक धार्मिक आयोजन में व्यस्त थे और उन्होंने अपने इन्हीं दोनों सेनापतियों को युद्ध में भेजा। लेकिन दोनों के मन में विश्वासघात आ गया था। इनके अलाउद्दीन से मिल जाने से रणथंबोर की सेना कमजोर हुई। तब किले के दरबाजे बंद कर लिए गए,पर किले के भीतर गद्दार थे। रसद सामग्री में विष मिला दिया गया। किले के भीतर भोजन की विकराल समस्या उत्पन्न हो गई। इस विष मिलाने के संदर्भ में अलग-अलग इतिहासकारों के मत अलग हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मोहम्मद खान और कुबलू खान की कारस्तानी थी जबकि कुछ रणमत और रतिपाल का विश्वासघात मानते हैं। विवश होकर हमीरदेव ने केशरिया बाना पहन कर साका करने का निर्णय लिया और किले के भीतर सभी महिलाओ ने रानी रंगा देवी के नेतृत्व जौहर करने का निर्णय लिया। यह जौहर 9 जुलाई से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला। यह जौहर दोनों प्रकार का हुआ अग्नि जौहर भी और जल जौहर भी। तीसरे दिन 11 जुलाई 1301 को रानी रंगादेवी ने अपनी बेटी पद्मला के साथ जल समाधि ली।

सूडोकु नवताल- 7485

★★★✯✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7484 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

राजनाथ सिंह : रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

ललित गर्ग

भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। 'मेक इन इंडिया' दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है।

राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को 'निषिद्ध सूची' में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। 'मेक इन इंडिया' अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है।

पाकिस्तान के संदर्भ में उनका रुख अत्यंत स्पष्ट रहा है- बातचीत तब ही संभव है जब आतंकवाद बंद हो और पाकिस्तान अपने गुनाह स्वीकार करे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान से कोई संवाद होगा, तो वह केवल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगा। यह उनके नेतृत्व की स्पष्टता, साहसिकता और रणनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने भारत की सामरिक नीतियों को केवल आक्रामकता ही नहीं दी, बल्कि संतुलन भी प्रदान किया है। उनका कहना है, हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन यदि कोई हमें ललकारेगा, तो हम उसे जवाब देना जानते हैं। यह भावना ही आज के भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रप्रेम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया है। राजनाथ सिंह का व्यक्तित्व विनम्रता, नीतिपरक दृढ़ता और संतुलित संवाद का उदाहरण है। वे विरोधी विचारों का सम्मान करते हैं लेकिन राष्ट्रहित से समझौता नहीं करते। इसी विचारधारा को उन्होंने रक्षा मंत्री बनने के बाद अपनी कार्यशैली में उतारा। बीते वर्षों में भारत जिन आतंकी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसमें राजनाथ सिंह का रुख न केवल स्पष्ट रहा है बल्कि निर्णायक भी। कोई आंख तरेर कर तो देखें! पर ललकार की मुद्रा में वे कठोर जबाव देते हैं।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तत्परता और आक्रामकता से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह भारत की बदली हुई सैन्य सोच का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने चीन एवं पाक के दोगलेपन पर यह स्पष्ट किया कि 'शांति केवल एक भ्रम है, हमें हर पल युद्ध जैसी तैयारी में रहना होगा।' इस अभियान में भारतीय वायुसेना और नौसेना की संयुक्त कार्रवाई ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, प्रति-प्रहार की नीति पर चलेगा। उन्होंने यह भी उजागर किया कि इस बार की कार्रवाई में स्वदेशी हथियारों और ड्रोनों की प्रमुख भूमिका रही, जो उनकी 'आत्मनिर्भर भारत' रक्षा नीति की बड़ी सफलता है। जो नवनिर्माण की रफ्तार एवं नई कड़ी है। रक्षा मंत्री ने गर्व से बताया कि भारतीय सेना अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि स्वदेशी तकनीक से आतंकवाद को जवाब दे रही है। उनका मानना है कि सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के आत्मबल और तकनीकी सामर्थ्य को विकसित करना भी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। भारत ने इन नवाचारों को अपनाते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य का निर्माण किया है। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव कर रहे हैं एवं रक्षा में करिश्मा दिखा रहे हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। भारत के पास विकास और सुरक्षा को लेकर एक विशिष्ट दृष्टिकोण है, जिसने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया है। राजनाथ सिंह के सफल नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, जिसके दूरगामी प्रभाव होंगे।

राजनाथ सिंह ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से बदलते समय के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उच्च-स्तरीय तकनीकों पर नियंत्रण हासिल करने का आह्वान किया है, जिसका उद्देश्य उन्नत, अग्रणी और अत्याधुनिक नवाचार के क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत करना है। भारत पहले कुछ कारणों से आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं दूरदर्शी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नये मंजिले-नये रास्तों की रफ्तार के साथ भारत अभूतपूर्व गति से रक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। सिंह ने रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सोच एवं स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में देश में एक ऐसा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स तैयार हो रहा है, जो केवल भारत की जरूरतों को नहीं, बल्कि दुनिया में रक्षा निर्यात की संभावनाओं को भी मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह के पांच दशक के सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव के साथ हुई। छात्र राजनीति से लेकर मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष, गृह मंत्री और फिर रक्षा मंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचना उनके संगठनात्मक कौशल, राजनीतिक कर्मठता, प्रशासनिक नवाचार और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके 74वें जन्मदिवस पर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राजनाथ सिंह जैसे नेता ही भारत को एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सामर्थ्यवान राष्ट्र बनाने की दिशा में नेतृत्व दे रहे हैं। संस्कृति के अग्रदूत राजनाथ सिंह की दृष्टि में केवल वर्तमान नहीं, बल्कि भविष्य भी सन्निहित है। उनकी ईमानदारी, सादगी और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। यह जन्मदिवस केवल एक व्यक्ति का उत्सव नहीं, बल्कि भारत की रक्षा-संस्कृति, नीति और विचारधारा के सशक्त होने का प्रतीक है।

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरूआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था- 'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं। कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, "मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?"

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है 'न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।' इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान 'लालाजी पनीर भंडार' के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया 'फहीम जूस केंद्र।' 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल।' ऐसे ही 'नीलम स्वीट्स' का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। 'अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स' का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के 'चीतल ग्रैंड' के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे 'जनता वैष्णो ढाबा' का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना 'गणपति' ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मजी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से खरीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

बिहार में वोटर लिस्ट जांच पर सबके अपने दावे और विचार

संजय सक्सेना

बिहार में कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिये उठाये गये कदम ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी दल इस प्रक्रिया को लोकतंत्र पर हमला और गरीब, दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक समुदायों के मताधिकार को छीनने की साजिश करार दे रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग इसे नियमित और संवैधानिक प्रक्रिया बताकर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। यह विवाद अब दिल्ली के निर्वाचन सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, और बिहार की सियासत में एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। दस जुलाई को सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर सकता है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के घटक दलों जैसे कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), समाजवादी पार्टी, और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इस पुनरीक्षण प्रक्रिया को वोटबंदी करार दिया है। 2 जुलाई 2025 को 11 विपक्षी दलों का 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में निर्वाचन सदन पहुंचा और चुनाव आयोग से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी, राजद के मनोज झा, और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। इसी क्रम में ओवैसी ने भी अलग से चुनाव आयोग पहुंच कर अपना पक्ष रखा। विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया जल्दबाजी में शुरू की गई है और यह गरीब, ग्रामीण, और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को मतदाता सूची से हटाने की साजिश है।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि बिहार में लगभग 7.75 करोड़ मतदाता हैं। इतनी बड़ी संख्या की जांच कुछ महीनों में करना असंभव है। यह प्रक्रिया उन लोगों को निशाना बनाएगी जिनके पास जन्म प्रमाणपत्र या माता-पिता की नागरिकता जैसे दस्तावेज नहीं हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे और तीखे शब्दों में लोकतंत्र पर हमला बताया। उन्होंने सवाल उठाया, 2003 में पूरे देश में पुनरीक्षण हुआ था, लेकिन अब सिर्फ बिहार में क्यों? यह प्रक्रिया मानसून के दौरान, जब बाढ़ आम है, शुरू की गई है। क्या यह गरीब और वंचित वोटरों को बाहर करने की साजिश नहीं है?

विपक्षी नेताओं का तर्क है कि सत्यापन के लिए मांगे गए 11 दस्तावेज, जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र, और माता-पिता की नागरिकता प्रमाण, अधिकांश गरीब और ग्रामीण लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार के 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 60 फीसदी को अपनी नागरिकता साबित करनी होगी, जो विशेष रूप से दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चुनौतीपूर्ण है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे अव्यवस्थित और अवैज्ञानिक बताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पहले ही हो चुकी है और इसे दोहराने का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इसे बीजेपी-आरएसएस की साजिश बताया, जिसका मकसद दलितों और वंचितों के वोटिंग अधिकार छीनना है। योगेंद्र यादव ने अनुमान लगाया कि इस प्रक्रिया से 4.76 करोड़ मतदाताओं का नाम हट सकता है, जिसे उन्होंने वोट उड़ाने का खेल करार दिया।

उधर बीजेपी और एनडीए ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए जरूरी है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने तंज कसते हुए कहा, जिनके राज में बूथ कैप्चरिंग और हिंसा आम थी, उन्हें अब निष्पक्षता से परेशानी हो रही है। हालांकि, एनडीए के कुछ सहयोगी, जैसे जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), ने दबी जुबान में इस प्रक्रिया की समय सीमा पर चिंता जताई है। बहरहाल, कुल मिलाकर लगता है कि बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक नियमित प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इसकी समय सीमा और दस्तावेजों की मांग ने इसे विवादास्पद बना दिया है। विपक्ष इसे गरीब और वंचित समुदायों के खिलाफ एक साजिश के रूप में देख रहा है, जबकि चुनाव आयोग इसे लोकतंत्र को मजबूत करने का कदम बता रहा है। यह विवाद बिहार की सियासत को और गर्माएगा, और इसका असर 2025 के विधानसभा चुनावों पर पड़ना तय है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस मामले में निर्णायक हो सकता है, लेकिन तब तक यह मुद्दा बिहार की जनता और नेताओं के बीच बहस का केंद्र बना रहेगा। विपक्ष की आपत्तियों ने अब कानूनी रूप ले लिया है। सपा सांसद कपिल सिब्बल, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राजद के मनोज झा, और कई गैर-सरकारी संगठनों ने इस प्रक्रिया को रद्द करने की मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की, यह तर्क देते हुए कि इतने कम समय में यह प्रक्रिया संभव नहीं है और यह संविधान का उल्लंघन करती है। इस मामले की सुनवाई 10 जुलाई 2025 को होनी है।

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह संवैधानिक और नियमित है, जो पिछले 75 वर्षों से समय-समय पर की जाती रही है। आयोग का कहना है कि इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों, जैसे नेपाल, बांग्लादेश, और म्यांमार से आए लोगों, को मतदाता सूची से हटाना और केवल भारतीय नागरिकों को वोटिंग का अधिकार सुनिश्चित करना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 4 जुलाई को स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएगी। इसमें चुनाव कर्मियों और राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी है।

दैनिक पंचांग

9 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

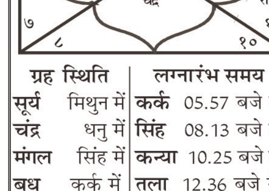

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.57 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.13 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.25 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.51 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.07 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.58 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.31 बजे से
राहुकाल		मेष	00.02 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	01.42 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.40 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 190 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मूल 04.50 बजे प्रात: को समाप्त।
योग ब्रह्म 22.09 बजे को समाप्त।
करण गर 13.12 बजे तदनन्तर वणिज 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 21'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872400
जूलियन दिन 2460865.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 13

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

डोजरिंग अभियान चलाकर तोपा में दो अवैध मुहानों को किया गया बंद

कुजू : सीसीएल कुजू क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी तबरेज आलम के निर्देश पर मंगलवार को तोपा परियोजना के अंतर्गत बनवार में डोजरिंग अभियान चलाया गया। अभियान से पूर्व अधिकारियों द्वारा खदान के आस-पास निरीक्षण करते हुए लाउड स्पीकर के माध्यम से अवैध मुहानों के अंदर घुसे लोगों को बाहर निकालने के साथ डोजरिंग किया गया। इस दौरान दो अवैध मुहानों में मिट्टी-पत्थर डालकर बंद किया गया। अभियान में सुरक्षा विभाग के हेमंत सिंह, तोपा सेफ्टी ऑफिसर निखिल कुमार, सुरक्षा प्रभारी शंकर राम, बबलू मांझी, आजिम मियां, शिव शंकर मांझी, भुखर कुम्हार शामिल थे।

झारखंड गृह रक्षा वाहिनी बोकारो में नामांकन प्रक्रिया शुरू

बोकारो : झारखंड गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) जिला बोकारो में नए जवानों की नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। इस बार नामांकन प्रक्रिया चास और नावाडीह प्रखंड से प्रारंभ हुई, जबकि अन्य प्रखंडों में भी 13 जुलाई तक नामांकन की अंतिम तिथि रखी गई है। खास बात यह है कि इस बार पूरी प्रक्रिया जिला कार्यालय में ही संपन्न कराई जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ था। नामांकन के दौरान कुछ अफवाहें फैलीं कि मेडिकल जांच के लिए पैसे लिए जा रहे हैं। इस पर झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद सभी अभ्यर्थियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी पैसे लिए जाने की बात नहीं कही। मेडिकल टीम भी कार्यालय में ही मौजूद थी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से चल रही थी। अमरेंद्र कुमार द्विवेदी ने कहा, ₹कुछ लोग कार्यालय को बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सच्चाई सामने आ गई है। मेडिकल में पैसे लेने की बात पूरी तरह गलत है। उन्होंने जिला समरेष्ठा महोदय और निरीक्षक सच्चित दाश को इस पारदर्शी और सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद और बधाई दी।

मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करें राजनीतिक दल : आर रॉनिटा

खूंटी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आर रॉनिटा ने सभी राजनीतिक दलों से मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का निदेर्या दिया है। उपायुक्त मंगगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में खूंटी जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष और सचिवों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी राजनीतिक दलों को प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति करनी है। इससे मतदाता सूची के अद्यतन और संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुदृढ़ किया जा सकेगा। बैठक के दौरान निर्वाचन संबंधी विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई और राजनीतिक दलों को उनके दायित्वों की जानकारी दी गई। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि मतदाता सूची अद्यतन करने के दौरान उनकी ओर से नाम, पते या अन्य विवरणों की सही जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी दलों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि शुद्ध मतदाता सूची सुनिश्चित करने में सभी की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

आपदा मित्र योजना को मिल रही रफ्तार डीडीसी ने प्रशिक्षण केंद्र का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- आपदा की घड़ी में मदद को तैयार होंगे 2 लाख लोग, 2500 मास्टर ट्रेनर देंगे प्रशिक्षण

रामगढ़ : जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा बड़ी पहल की गई है जिसके तहत आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण अगले छः माह में जिले के 2 लाख लोगों को आपदा मित्र के रूप में तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में प्रशिक्षण के तीसरे दिन मंगलवार को उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने टाउन हॉल रामगढ़ में चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे। जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा 15 जुलाई 2025 तक 2500 आम जनों, विद्यार्थियों आंगनबाड़ी सेविकाओं आदि को प्रशिक्षण देकर आपदा मित्र एवं मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा जिनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में आम जनों को आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त आशिष अग्रवाल ने सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। इस दौरान उन्होंने सभी को आकस्मिक परिस्थितियों में किए जाने वाले कार्य जो प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही है उन्हें अच्छी तरह सुनने व समझने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की दुविधा को प्रशिक्षण के दौरान नहीं दूर कर लेने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं ऑडियो विजुअल कंटेंट के माध्यम से सभी को सीपीआर, चोकिंग, ब्लीडिंग, बर्न, फ्रैक्चर, वज्रपात, डूबना, शॉक, सांप का काटना एवं दुर्घटना जैसी आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आपदा मित्र को प्रैक्टिकल भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आपदा मित्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। गौरतलब होकि 15 जुलाई तक आयोजित प्रशिक्षण के दौरान तैयार 2500 आपदा मित्रों (मास्टर ट्रेनरों) द्वारा पूरे जिले में 2 लाख लोगों को आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दी जाएगी।

निजीकरण और श्रम सुधारों के खिलाफ बैंक बीमा कर्मियों की एकजुटता, किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेन्ट्रल ट्रेड यूनियन संगठनों द्वारा दिनांक 9 जुलाई 2025 को आहूत एक दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल में बैंक एवं बीमा कर्मियों के संगठनों एआईबीईए, बीईएफआई, एआईआईईए, जीआईइएआईए, एआईएलआईसीईएफ, ने भी भारत सरकार के जन विरोधी मजदूर विरोधी नीतियों के विरुद्ध हो रहे इस संघर्ष में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए अपने सदस्यों को आह्वाहन किया कि इस हड़ताल को शत प्रतिशत सफल करें। इसी निमित्त आज चास-बोकारो में कार्यरत उपरोक्त सभी बैंक एवं बीमा कर्मियों के संगठनों ने संयुक्त रूप से बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जिसमें महिलाओं की भी भागीदारी बहुत अच्छी रही एवं एक स्वर से मांग किया कि अविलंब भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित तथा तथाकथित श्रम सुधार कानून को वापस लिया जाए एवं श्रमिकों को कठिन संघर्ष से प्राप्त अधिकारों की रक्षा की जाए तथा जो भी संस्थान इसका उल्लंघन करें उसके लिए कठोर कानून का प्रावधान किया जाए। इसके साथ ही सभी मजदूर एवं कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा के उपाय किए जाएं, न्यूनतम पारिश्रमिक 18000 रुपए से कम नहीं हो एनपीएस वाले कर्मियों को सुनिश्चित पेंशन योजना में शामिल किया जाए तथा सभी मजदूरों के लिए पेंशन की सुविधा बाहल की जाए, समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए, जो कि ठेका मजदूरों पर भी लागू हो, सरकारी उपक्रमों का निजीकरण नहीं किया जाए, बोनस की सीमा को समाप्त किया जाए जिससे कि सभी मजदूर एवं कर्मियों को बोनस प्राप्त हो सके, 45 दिनों के अंदर ट्रेड यूनियन का रजिस्ट्रेशन होना सुनिश्चित हो, रक्षा बीमा एवं रेलवे आदि में अंधाधुंध विदेशी पूंजी निवेश को बंद किया जाए इत्यादि मांगों के समर्थन में नारे लगाने के साथ-साथ बैंक का बीमा कर्मियों ने सरकारी क्षेत्र के बैंक एवं बीमा को भी और मजबूत करने उनके निजीकरण के प्रयास को वापस लेने, जन विरोधी बैंकिंग सुधार कानून को वापस लेने, कॉरपोरेट घराने पर बकाया विशाल ऋणों की वसूली हेतु कड़े कानून बनाना है, नियमित कार्यों में आउटसोर्सिंग को बंद करना है।

कार-बाइक दुर्घटनाग्रस्त ठेकेदार सहित दो की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर सदर एवं पड़वा थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो सड़क हादसे हुए, जिसमें ठेकेदार सहित दो की मौत हो गयी। पड़वा के लोहड़ा पेट्रोल पंप के पास कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा जाने से उसमें सवार कठौतिया के ठेकेदार संजय प्रसाद (50) की मौत हो गयी। संजय पडवामोड़ की ओर से आ रहे थे। अचानक उनकी कार अनियंत्रित हो गयी एवं डिवाइडर से टकरा गई। संजय के शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। पोस्टमार्टम कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। उनका शव रेडक्रास के वाहन से लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद उसी वाहन से शव उनके घर ले जाया गया। बताया जाता है कि संजय मजदूर से संघर्ष करते हुए ठेकेदार तक का सफर तय किया था। दूसरी घटना सदर थाना क्षेत्र के दुबियाखाड़ जोरकट के पास हुई। मंगलवार शाम ओवरटेक करने में बाइक सहित एक युवक गिर गया। सिर में गंभीर चोट आने पर उसे इलाज के लिए एमएमसीएच ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी। युवक की पहचान विकेश कुमार सिंह (18) के रूप में हुई है। विकेश चियांकी का रहने वाला था। सतबरवा किसी काम से गया था। वहां से लौट रहा था। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में परिजन एमएमसीएच पहुंचे। मौत की जानकारी मिलने पर उनका रो रो कर बुरा हाल था। अस्पताल परिसर गमगीन हो गया था। शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। एमएमसीएच पुलिस चौकी के पदाधिकारी एवं जवान लगे हुए हैं।

झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित सोरेन का नया मोड़ में स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित सोरेन, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सोमर मुंडा को पार्टी में पदाधिकारी बनाए जाने पर मंगलवार को नया मोड़ में स्वागत किया गया। सर्वप्रथम पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पार्टी के नीति और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहन मुर्मू जिला कार्यकारिणी सदस्य कन्हैया सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा महानगर उपाध्यक्ष चंदू सिंह मुंडा ने पार्टी में बनाए गए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और पार्टी के हित में काम करते हुए मुख्यमंत्री के हाथों को मजबूत करने की बात ही। झामुमो बोकारो महानगर उपाध्यक्ष चंदू सिंह मुंडा सहित पार्टी के पदाधिकारी ने झामुमो के संस्थापक एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन, केंद्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे, जिला अध्यक्ष डॉ रतनलाल मांझी, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव को दिल से आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

रोशन साव हत्याकांड : फरार जीतन उर्फ बादशाह के खिलाफ चिपकाया गया इश्तिहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : बासल थाना कांड संख्या 20/ 2023, दिनांक 07.08.2023, धारा 302/120 (बी) भा.दं.वि. एवं 25(1-बी)/ 26/27 आर्म्स एक्ट के तहत वादी अमन साव के फर्दबयान के आधार पर उसके भाई रोशन साव की हत्या के मामले में मामला दर्ज किया गया था। मृतक रोशन साव माही रेस्टोरेंट का मालिक था, जिसकी दिनांक 06.08.2023 की संध्या को पल्सर बाइक सवार अपराधियों द्वारा रेस्टोरेंट के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी गई थी। अनुसंधान के क्रम में छह अभियुक्तों ओमप्रकाश पाण्डेय, प्रेमप्रकाश पाण्डेय, शुभम पाण्डेय, भरत पाण्डेय, रियांश सिंह उर्फ स्वतंत्र उर्फ आरडीएक्स और राजेश कुमार के विरुद्ध आरोप पत्र समर्पित किया गया है। वहीं इस कांड में एक अन्य अभियुक्त दीपक साव उर्फ ढुल्ला की हत्या हो चुकी है, जबकि एक अन्य आरोपी जीतन कुमार उर्फ बादशाह, पिता- राजकुमार सिंह, ग्राम- बोहिया कमालपुर, थाना- अलीपुर, जिला- गया (बिहार) फरार चल रहा है। गिरफ्तारी के डर से लगातार भाग रहे जीतन कुमार के खिलाफ अनुसंधानकर्ता द्वारा माननीय न्यायालय रामगढ़ से वारंट प्राप्त कर गया स्थित उसके घर पर कई बार छापेमारी की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः न्यायालय द्वारा दिनांक 30.06.2025 को अभियुक्त के विरुद्ध इश्तिहार निर्गत किया गया। इश्तिहार की तामिला पुलिस अवर निरीक्षक बिपिन बिहारी बासल थाना द्वारा अलीपुर थाना की मदद से ढोल-नगाड़ा बजाकर गांव बोहिया कमालपुर में की गई। इश्तिहार जीतन कुमार के घर, आस-पास और प्रमुख स्थानों पर चिपकाया गया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि अभियुक्त दिनांक 18.08.2025 तक माननीय न्यायालय रामगढ़ में आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो न्यायालय से कुर्की अधिपत्र प्राप्त कर उसके घर की चल संपत्ति को कुर्क कर लिया जाएगा।

गरीबी से जंग जीतकर बनीं मिसाल, मुन्नी देवी अब गांव की प्रेरणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के हुप्पू पंचायत स्थित तोयर गाँव की रहने वाली मुन्नी देवी एक साधारण आदिवासी महिला हैं। उनका जीवन कभी गरीबी, सामाजिक अपमान और अस्थिर आय के बीच उलझा हुआ था। लेकिन आज वे गाँव में प्रेरणा की मिसाल बन चुकी हैं- एक ऐसी महिला, जिन्होंने अपनी परिस्थितियों को हराकर न केवल अपनी पहचान बनाई, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई।

संघर्ष भरा प्रारंभ : एक मजबूरी से भरा जीवन

मुन्नी देवी का पारिवारिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण था। उनके परिवार में उनके पति मंशु करमाली एवं चार बच्चे है जिसमे दो बेटे और दो बेटियां है। उनके पती का रोजगार अनियमित था और आमदनी भी बहुत कम था। ऐसे में पूरे परिवार का खर्च उठाना मुश्किल हो गया था। बच्चों की पढ़ाई, भोजन, कपड़े, स्वास्थ्य और अन्य जरूरतों को पूरा करना एक चुनौती से कम नहीं था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर मुन्नी देवी ने घर की आमदनी बढ़ाने के लिए महुआ शराब/हड़िया बनाना और बेचना शुरू किया। यह काम सामाजिक रूप से निंदनीय था, लेकिन मजबूरी में उन्हें यही रास्ता अपनाना पड़ा। हालांकि यह काम उन्हें थोड़ी-बहुत आय दिलाता था, लेकिन इसके कारण समाज में उनका मान-सम्मान गिरता जा रहा था। समाज की नजरों में वे शराब बेचने वाली महिला के रूप में जानी

जाती थीं। इस काम से स्वास्थ्य को भी खतरा था और परिवार के माहौल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था।

बदलाव की शुरूआत: एक छोटे से कदम ने लाई बड़ी क्रांति

समाज में बदलते हालात और आत्मसम्मान की तलाश में मुन्नी देवी ने एक दिन यह तय किया कि अब कुछ बदलना होगा। उन्होंने स्वयं को बेहतर बनाने और अपने परिवार को एक नई दिशा देने का निश्चय किया। वहीं समय था जब उन्हें 2016 में गांव की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी मिली। पहले उन्होंने संकोच किया, लेकिन फिर साहस जुटाकर दिनांक 28-04-2016 को 'सरस्वती महिला मंडल' नामक समूह में जुडी। उसी पल से उनके जीवन में बदलाव की असली शुरूआत हुई। इसके बाद वह तोयर आजीविका महिला ग्राम संगठन से भी जुड़ गई।

समूह से मिली नई पहचान और आत्मविश्वास

समूह से जुड़ने के बाद नियमित रूप से समूह के दस बैठक में भाग लेने से मुन्नी देवी का आत्मविश्वास बढ़ा। पहले जो महिला केवल घरेलू कामों और शराब बेचने तक सीमित थी, अब वह नियमित बैठकों में भाग लेने लगीं, बचत करने लगीं, और समूह की अन्य महिलाओं से विचार-विमर्श करने लगीं। समूह के माध्यम से उन्हें सरकार की योजना 'फुलो शानो आशीर्वाद अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ। यह झारखंड सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को अवैध रूप से महुआ शराब/हडिया बेचने जैसे अपमानजनक कार्यों से बाहर निकाल कर उन्हें सम्मानजनक जीवन और आजीविका के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को व्याजमुक्त ऋण दिया जाता है, ताकि वे एक सम्मानजनक आजीविका से सम्बंधित कार्य प्रारंभ कर सके।

संक्षिप्त खबरें

भुरकुंडा में संयुक्त मोर्चा का शक्ति प्रदर्शन, श्रमिक अधिकारों के समर्थन में निकली पदयात्रा

भुरकुंडा : 9 जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी मजदूर हड़ताल के समर्थन में संयुक्त मोर्चा के बैनर तले मंगलवार को भुरकुंडा बाजार में जुलूस की शक्ल में पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान मजदूरों और आम नागरिकों से आह्वान किया गया कि वे इस ऐतिहासिक हड़ताल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने अधिकारों की आवाज को बुलंद करें। मौके पर वक्ताओं ने 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल को श्रमिक अधिकारों की रक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया और भारी संख्या में मजदूरों से हड़ताल में शामिल होने की अपील की। पदयात्रा में एटक के केंद्रीय सचिव नरेश मंडल, लखेंद्र राय, विकास कुमार, संजय वर्मा, संजय मिश्रा, अशोक गुप्ता, रमाकांत दुबे, शैलेन्द्र सिंह, रामाश्रृष्ठ, अजीत सिन्हा, सत्यनारायण ठाकुर सहित संयुक्त मोर्चा के दर्जनों लोग शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान मजदूरों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह हड़ताल मजदूरों के भविष्य और अधिकारों की रक्षा के लिए बेहद जरूरी है। सभी ने एकजुट होकर संघर्ष को मजबूती देने की अपील की।

राधा गोविंद पब्लिक स्कूल में 10 से 15 जुलाई तक आयोजित होगा इंटर-स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट

रामगढ़ : राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी रामगढ़ द्वारा आयोजित छह दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट 10 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक सम्पन होगा। फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारी को लेकर राधा गोविंद प्रेस वार्ता की गई,राधा गोविंद पब्लिक स्कूल की सचिव प्रियंका कुमारी, प्राचार्य डॉ सुजीत कुमार मोहंती राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रो (डॉ) संजय प्रसाद सिंह प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि सीबीएसई फुटबॉल टूर्नामेंट राधा गोविंद विश्वविद्यालय के खेल मैदान एवं रामगढ़ फुटबॉल मैदान में छह दिनों तक बिहार एवं झारखंड के विभीन्न टिमों के बीच होना सुनिश्चित हुआ है। इस समारोह में राज्य के मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों द्वारा उद्घाटन एवं समापन समारोह के साथ सुसंपन्न होगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रहीं है। राधा गोविंद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ सुजीत कुमार मोहंती ने छह दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन राधा गोविंद पब्लिक स्कूल रामगढ़ के लिए बहुत ही ऐतिहासिक पल होगा। इस टूर्नामेंट में बिहार एवं झारखंड राज्यों के 'सीबीएसइ से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के के कुल 65 टीम जिसमें अंडर-14 ग्रुप में 17 टीम अंडर 17 ग्रुप में 28 टीम अंडर-19 ग्रुप में 20 टीम का अभी तक रजिस्ट्रेशन हो चुका है। 1200 विद्यार्थियों के लिए रहने एवं खाने का पूरी व्यवस्था की गई है और फुटबॉल टूर्नामेंट की सफलता की कामना करती हूं। विद्यालय प्रबंधन ने राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल रामगढ़ में सीबीएसई दिल्ली द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों को बधाई दी है तथा सभी प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपील की है।

पावन क्रूस विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भुरकुंडा : पावन क्रूस विद्यालय भुरकुंडा के खेल मैदान परिसर में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने आस-पास क्षेत्रो में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को हरा-भरा रखने में योगदान देने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर सुमंती ने कहा कि पेड़ न केवल हमारे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन को कम करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और वन्यजीवों को आवास देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। पौधारोपण कार्यक्रम में मो. कमरुद्दीन, सुधीर प्रसाद, रेणु पॉल, रजनी डुंगडुंग, निर्मला, कंचन मिंज, रजनी सिन्हा, आशा मिंज, संगीता गिद्ध, सुश्री मानशी, पूजा, नेहा, आनंद टेटे, मनीष लकड़ा सहित अन्य शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

दिनेश की गुमसूदगी को लेकर ग्रामीणों ने थाना का डेढ़ घंटे तक किया घेराव

बड़कागांव : पिपराडीह गांव निवासी 27 वर्षीय दिनेश कुमार की 6 जुलाई की सुबह गुमशुदगी को लेकर अब तक कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। जबकि मामले को लेकर पत्नी संगीता देवी के द्वारा 7 जून को थाने में आवेदन देकर पुलिस से खोजबीन करने की गुहार लगाई थी। लगभग तीन दिन गुजर जाने के बाद दिनेश का कोई सुराग नहीं मिल पाने के कारण ग्रामीणों के द्वारा मंगलवार को तकरीबन 5:00 बजे शाम डेढ़ घंटे तक थाने का घेराव किया एवं पुलिस से खोजबीन करने की मांग की। थाना प्रभारी नेमधारी रजक के समझाने बुझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए। इस दौरान संगीता देवी ने मंगलवार को भी दूसरा आवेदन थाने में दी है जिसमें पैसे की लेनदेन से संबंधित अपहरण की आशंका जताई है। आवेदन में सुभाष प्रजापति कुम्हरडीहा निवासी पर 10 लाख रुपए लोन दिलाने संबंधित अपहरण कर लेने का बात कही है। लोन दिलाने के नाम पर 161000 रुपया सुभाष को दिया जा चुका है। 2 लाख की मांग थी। मामले को लेकर बड़का गांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि सभी बिंदुओं पर पुलिस के द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है ।

एक नजर

मुहर्रम जुलूस में कई लोग हुए जख्मी

साहिबगंज : मोहर्रम के 11वीं तिथि पर सोमवार की देर रात्रि विभिन्न पहलाम जुलूस में करतब दिखाने के दौरान आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल में रसूलपुर दहला के शाहबाज 18 वर्षीय, हबीबपुर के इश्तिहाक अंसारी 19 वर्षीय, अमन अंसारी व गुल्लीभट्ठा के उदय कुमार सिंह 45 वर्षीय, समेत अन्य लोग घायल है।

मुहर्रम जुलुश के दौरान हथियार से सिर पर मारकर युवक को किया लहूलुहान

बरहरवा : सोमवार को बरहरवा थाना क्षेत्र के झिकटिया निवासी युवक सुजल कुमार साह पिता-स्व.शंकर साह को मोहर्रम जुलुश के दौरान हथियार और लाठी से मार कर लहूलुहान कर घायल कर दिया। जिसको लेकर सुजल साह ने बरहरवा थाना में लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग कक है। आवेदनानुसार उसने बताया कि सोमवार को रात्रि लगभग 8:00 बजे सब्जीमंडी अपना दुकान बंद कर अपने कुछ मित्रों के साथ वापस घर जा रहा था,उसी समय झिकटिया की ओर से मोहर्रम जुलुश आ रही थी,जुलुश को आते देख सड़क किनारे पुरानी शांति सिनेमा हॉल के समीप खड़े हो गए अचानक जुलुश से निकलकर उस्मान शेख पिता-कुर्बान ग्राम-हरिजनटोला थाना बरहरवा और उसके दो साथी हथियार लाठी के साथ आकर धक्का देते हुए जातिसूचक गाली देने लगे, विरोध करने पर तलवार से मेरे सिर पर मारा जिससे मेरे सिर से काफी खून बहने लगा और मैं बेहोश हो गया,बेहोशी की हालत में भी मुझे लाठियों से पीटने लगे,इस दौरान मेरे दोस्त को भी चोटे आई है,स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुँचाया गया, सिर पर काफी टाँके लगे है, पूरे शरीर में दर्द है। मामले को लेकर पुलिस ने उचित कार्यवाही का आश्वशन दिया है।

पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजमहल : मंगलवार को राजमहल थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किया गया आरोपित नया बाजार निवासी घिसु रविदास है, जो पुलिस की तलाश में फरार चल रहा था। वही पुलिस सूत्रों के अनुसार, थाना कांड संख्या 145/24 के तहत आरोपित रविदास के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज था। सोमवार रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित अपने घर पर मौजूद है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नया बाजार इलाके में छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। वही गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की और गहन जाँच कर रही है। साथ ही इस मामले में पीड़िता ने पहले ही आरोपित पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। पुलिस का कहना है कि कानून के तहत दहेज उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाती है और भविष्य में भी ऐसे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

एक दिवसीय संवाद सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

- तिथि भोजन, बोलेगा पाकुड़, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, आपने आज क्या सीखा, माता-पिता, पौधारोपण, बीआरपी, सीआरपी एवं मुखिया, जेएसएलपीएस दीदियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रोजेक्ट परख 2.0 के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षों एवं सचिवों के साथ एक दिवसीय संवाद सह सम्मान समारोह का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया और शिक्षा में सुधार के लिए संवाद किया गया। इसका उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षों एवं सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित करना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए उनके साथ संवाद करना था। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय में शिक्षक के साथ बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो। इसमें विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्षों, सदस्यों की भूमिका अहम होती है। बच्चों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजना मध्याह्न भोजन सुचारु रूप से मिले। इसके लिए विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों पूर्ण रूप से अपना सहयोग दें। विद्यालय विकास मद में आने वाली सरकारी राशि का सही उपयोग हो और इसका लाभ बच्चों के साथ विद्यालय के विकास के लिए हो। वर्तमान में छोटे-छोटे बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में समिति के सदस्य बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। कहा कि अगर विद्यालय प्रबंध समिति अपने कार्य एवं दायित्व को निष्पक्ष और सेवाभाव से करे तो प्रत्येक विद्यालय में शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकती है। उपायुक्त ने कहा कि बिना मेहनत के कोई फल नहीं मिलता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चे जब स्कूल से आएं तो बच्चे से पूछे आज क्या सीखें। स्कूलों में हैंडवाश, भस्मक, सेग्रीगेशन बिन का निर्माण किया गया है सभी इसका प्रयोग जरूर करें। इसके अलावा प्रेरणादायक वीडियो दिखाकर उपस्थित लोगों को प्रेरित किया गया। साथ ही केक काटकर बच्चों का जन्मदिन मनाया गया।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष अभियान शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), राँची के निदेर्शानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशझसह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिल कुमार के मार्गदर्शन में साहेबगंज जिले में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का पात्रता अनुसार लाभ दिलाना है, ताकि कोई भी दिव्यांग बच्चा सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि यह अभियान 06 जुलाई, 2025 से 20 जुलाई, 2025 तक चलेगा। उन्होंने पारा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांवों और प्रखंडों में जाकर दिव्यांग बच्चों की पहचान करें और उन्हें प्रमाण पत्र, उपकरण, शिक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं जैसी सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें।

ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी हेतु एन.एल.एम. दल का आगमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विकास भवन सभागार में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयनित राष्ट्रीय स्तरीय मॉनिटर के आगमन एवं निरीक्षण की तैयारी की समीक्षा करना। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की नियमित निगरानी एवं अनुश्रवण हेतु भारत सरकार द्वारा श्री सुभाष कुमार सिन्हा एवं श्री सप्तर्षि रथ (केंद्र मार्केट रिसर्च एंड सोशल डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड) को एन.एल.एम. के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका आगमन आज विकास भवन परिसर में हो चूका है। निरीक्षण दल जिला अंतर्गत पतना, उधवा, तालझारी प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर मनरेगा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, डिजिटलीकृत भूमि अभिलेख, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, स्वामित्व योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी प्रमुख योजनाओं का भौतिक सत्यापन एवं अनुश्रवण करेंगे। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता को प्राथमिकता दी जाए तथा निरीक्षण टीम को प्रत्येक स्तर पर आवश्यक जानकारी और दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जेएसएलपीएस डीपीएम मार्टिन तारीक, प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत विभागीय कर्मी उपस्थित थे।

जिला को स्वच्छता में नंबर वन बनाने हेतु विशेष स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ आयोजन

- प्लास्टिक कचरा अलग रखने हेतु ग्रामीणों ने घर के बाहर टंगे प्लास्टिक कचरा बोरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर ग्राम स्तर पर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में भारत सरकार की स्वतंत्रता एजेंसी के माध्यम से कई मापदंडों पर स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर जिला एवं राज्य को रैंक दी जाएगी। वृहद स्तर पर अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है ताकि स्वच्छता का माहौल बना रहे। प्रत्येक घरों में ग्रामीण स्वयं अपने घरों में कचरा का निष्पादन करें सूखा कचरा अलग गीला कचरा अलग रखें। इसके लिए उचित डब्बे कार्टून या बेकार पड़े तेल के टीन के डब्बे का इस्तेमाल कर उचित प्रबंध कर सकते हैं। वही प्लास्टिक अपशिष्ट हेतु प्रत्येक घरों के बाहर एक प्लास्टिक का बोरा रखकर प्रतिदिन के उपयोग किए गए अपशिष्ट प्लास्टिक को एकत्रित कर जमा करने हेतु सभी प्रखंडों में विशेष अभियान चलाकर जलसहिया दीदी के द्वारा प्रेरित किया गया।

रेलवे ट्रैक के किनारे अज्ञात युवक का शव बरामद, सिर व पैर पर गंभीर चोटें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : मंगलवार की सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना बोंनिदांगा रेलवे स्टेशन और बोंनिदांगा लिंक केबिन स्टेशन के बीच अप मेन लाइन के पास स्थित ओएचई मास्ट नंबर 01/01 से 00/57 के बीच हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, 08 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 07:20 बजे यह सूचना सबसे पहले एससीएनएल मालदा और स्टेशन मास्टर बड़हरवा को एक स्थानीय ग्रामीण के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि एक युवक का शव रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा है। सूचना पाकर स्टेशन मास्टर ने 07:55 बजे एक मेमो (संख्या शून्यांकित) के जरिए आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा को सूचित किया। इसके उपरांत रेल सुरक्षा बल के एसआई लाल बहादुर मांझी और कांस्टेबल अनिल कुमार साह मौके पर पहुंचे, जहां पहले से ही हेड कांस्टेबल विजय लकड़ा और कांस्टेबल मृत्तुंजय कुमार मौजूद थे और शव की निगरानी कर रहे थे। वहीं शव की स्थिति बेहद दयनीय थी, युवक पूरी तरह निर्वस्त्र और उसके सिर पर गहरी चोट, दाहिना पैर टूटा हुआ तथा चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत था। शव अप लाइन ट्रैक से लगभग 8 फीट दूर पूर्व की ओर सिर और पश्चिम की ओर पैर की दिशा में पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह 09:30 बजे जीआरपी बरहरवा और एक डोम मौके पर पहुंचे। लेकिन जांच के बाद उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र बरहरवा थाना के अधिकार क्षेत्र में आता है।

बीज वितरण कार्यक्रम में 70 किसानों को मिला बीज, तकनीक की भी मिली जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिला कृषि पदाधिकारी विवेक बिरूआ ने धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर कृषि कार्य और बीज वितरण कार्यक्रम का निरीक्षण मंगलवार को किया। जिला कृषि पदाधिकारी ने जुनबनी, कादोडीह टोला में बीज वितरण कार्यक्रम में किसानों के बीच बीज का वितरण किया । किसान मित्र दानियल टुडू के सहयोग से कुल 70 किसानों को बिरसा फसल विस्तारण योजना के तहत मकई बीज उपलब्ध करायी गयी। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है। कृषि विभाग समय पर बीज उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयासरत है। लैम्पस में अनुदान पर बीज उपलब्ध है। किसान आधे दाम पर बीज प्राप्त कर सकते हैं। उपायुक्त की ओर से बीज वितरण का प्रतिदिन अनुश्रवण किया जा रहा है। बीज वितरण के मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर और प्रखंड स्तर पर अनुश्रवण कोषांग उपायुक्त के आदेशानुसार कार्यरत है। जिला स्तर पर जिला कृषि पदाधिकारी और प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बीज वितरण का मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भ्रमण के दौरान प्रखण्ड स्थित नुतनगढ़ में राजकीय कृषि फार्म परिसर में संचालित बिरसा कृषक पाठशाला का निरीक्षण किया। पाठशाला का संचालन आदर्श बाल विकास एवं शैक्षाणिक संस्था, रांची की ओर से किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्था के संचालक को कार्य के गुणवत्ता पर ध्यान देने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी ने दिया। वहीं धालभूम नारीशक्ति अजीविका प्रोड्युसर कंपनी लिमिटेड के पदाधिकारी को कृषि संबंधित कार्य और विभाग के योजनाओं से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए सहयोग के लिए कहा। कृषक पाठशाला के बारे में बिबेक बिरूआ ने बताया कि राज्य सरकार की योजना समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना के तहत कृषक पाठशाला का संचालन किसानों के लिए किया जा रहा है। इसमें प्रक्षेत्र में आधरभूत संरचना का विकास तालाब निर्माण, पशुपालन, गव्य पालन, मत्स्य पालन के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें लाइव डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से खेती-बाड़ी कार्य को व्यावसयिक तौर पर करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ये योजना चला रही है। भ्रमण के दौरान आत्मा के उप परियोजना निदेशक गीता कुमारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी पियुष कुमार मंडल, प्रखंड्ड तकनीकी प्रबंधक बोदाधित हांसदा, सहायक तकनीकी प्रबंधक बासुदेव महतो सहित कई किसान उपस्थित हुए ।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर की आत्महत्या

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरीगली के गनेड़ी टोला गांव में सोमवार की रात 9:00 बजे अपने घर में फांसी लगा लेने से 26 वर्षीय युवक कालीचरण चौधरी की मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक के भाई टार्जन चौधरी ने बताया कि कालीचरण 5 दिन पूर्व अपना ससुराल सुल्तानगंज गया था। सोमवार को दोपहर 2:00 बजे ससुराल से घर आया और रात 9:00 बजे घर में गुलेबन गले में बांधकर पंखा में फंदा लगाकर फांसी लगा लिया। जिसके कारण उनकी मौत हो गई। आगे उन्होंने बताया कि पति-पत्नी की आपसी विवाद में फांसी लगा लिया। मृतक का पत्नी चंदा देवी अपने मायके सुल्तानगंज में ही रहती है। मृतक कालीचरण चौधरी का एक लड़का अमरजीत कुमार चौधरी 2 महीने का है। मृतक का शादी 1 साल पूर्व हुआ था। परिजनों ने घटना की सूचना तालझारी थाना को दिया, सूचना मिलते ही तालझारी थाना पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। वहीं पुलिस घटना की छानबीन करने के उपरांत केस दर्ज कर लिया। सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम डॉक्टर मुकेश कुमार ने किया। पोस्टमार्टम होने के उपरांत पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत मारपीट मामले में एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 136/24 दिनांक 3 सितंबर 2024, धारा 126(2)/115/117/351(3)/352/109(3)(5) बी.एन.एस. के प्राथमिक अभियुक्त मनोज महतो उम्र 24 वर्ष पिता जंगली महतो, साकिन बड़ा लोहंडा सागर कॉलोनी को 8 जुलाई 2025 को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में दुर्गा पूजा में मनोज महतो का पड़ोसी से किसी बात को लेकर मारपीट हुआ था, मारपीट होने के बाद मनोज महतो के खिलाफ पड़ोसी ने प्राथमिक दर्ज कराया था। जहां पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार करने के उपरांत कागजी प्रक्रिया करने के बाद सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मतदाता सूची प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर अहम बैठक

साहिबगंज: भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार मतदाता सूची की तैयारी एवं संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा सुधार लाने के उद्देश्य से आज कार्यालय प्रकोष्ठ में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के निदेर्शों के आलोक में यह जानकारी दी गई कि मतदाता सूची की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मतदान केन्द्रवार बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति करने का अनुरोध किया गया है। इससे मतदाता सूची के संधारण में सभी पक्षों की सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी। अपर समाहर्ता ने जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि उनके जिला अध्यक्ष/सचिव आगामी बैठक में ससमय भाग लेकर बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति की प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी से आग्रह किया गया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

साड़ ने महिला को मार कर किया जख्मी

साहिबगंज: सदर प्रखंड क्षेत्र के गंगा प्रसाद पूरब शोभनपुर के खेत में मंगलवार को एक महिला को साढ़ ने मारकर जख्मी कर दिया है। परिजन वालों ने घायल महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सक डॉक्टर ऋतुराज ने घायल महिला का इलाज प्रारंभ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार घायल महिला श्रीराम चौकी मुस्लिम टोला निवासी मो इनुस का 50 वर्षीय पत्नी बीबी फरीदा है। बीबी फरीदा के सर व शरीर में चोटे लगी है। बरहाल महिला का इलाज सदर अस्पताल में चिकित्सक के देखरेख में चल रहा है।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक का पाकुड़ में हुआ स्वागत

पाकुड़ : जिले में पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर अपने एक दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष निरीक्षण यान से पाकुड़ पहुंचे। उनके साथ हावड़ा मंडल के रेल प्रबंधक संजीव कुमार उप महाप्रबंधक वेद प्रकाश तथा मुख्य परिचालन प्रबंधक पूर्व रेलवे सौमित्रो विश्वास कोलकाता सहित हावड़ा मंडल एवं क्षेत्रीय रेल मुख्यालय कोलकाता के सभी प्रमुख का अधिकारीगण मौजूद थे। पाकुड़ आगमन पर ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल अध्यक्ष हिसाबी राय के नेतृत्व में महाप्रबंधक पूर्व कोलकाता तथा मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर तथा पुष्प कुछ देकर उनका जोरदार स्वागत किया गया, स्वागत करने में ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, सह सचिव अनिकेत गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता शिलादित्य मुखर्जी, सुशील साहा मौजूद थे। तदोपरांत महाप्रबंधक द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित बगीचा में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया, उसके बाद उनके द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रेलवे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया।

शक था परिवार बलि देता है, इसलिए 5 को जिंदा जलाया

पूर्णिया में हत्याकांड से पहले पंचायत बैठी, भीड़ को उकसाकर हमला करवाया गया

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में सोमवार को एक ही परिवार के 5 लोगों की लाशें मिलीं। सभी को बुरी तरह से पीटने के बाद डीजल डालकर जिंदा जला दिया गया था। इस हत्याकांड की वजह जानने के लिए भास्कर की टीम पूर्णिया से 20 किलोमीटर दूर टेटगामा गांव पहुंची। हमने गांव वालों से बात कर पूरी कहानी जानी। लोगों से बातचीत कर समझ आया कि 2 साल से गांव में 6 लोगों की मौत हो चुकी थी। गांव वाले इसके लिए बाबूलाल उरांव के परिवार को ही दोषी मानते थे। हत्याकांड से ठीक 3 दिन पहले एक बच्चे की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूटा और भीड़ ने 5 लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला। पूर्णिया के टेटगामा गांव में 200 लोग रहते हैं। आदिवासियों के गांव में अंधविश्वास में एक ही परिवार के 5 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। लोगों की माने तो गांव के मरर (प्रमुख) नकुल उरांव के उकसाने पर भीड़ ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। उसी के कहने पर गांव के लोगों ने बाबूलाल उरांव और उसके पूरे परिवार की हत्या कर दी। दरगाह गांव के किशुन देव उरांव ने हमें बताया, 'इस गांव में 2 साल में एक-एक कर 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी महीने 3 लोगों की मौत हुई, जिसमें रामदेव उरांव के बेटे की मौत हो गई थी, जबकि एक बेटे की तबीयत खराब थी।' टेटगामा गांव के पड़ोस में दरगाह गांव है। वारदात की जानकारी के बाद पड़ोस के गांव के लोग यहां पहुंचे थे। हमने गांव के किशुन देव उरांव और मोहनी देवी से बात की। उन्होंने बताया, 'आदिवासियों के टेटगामा गांव में रहने वाले बाबूलाल उरांव की मां कागतो देवी झाड़फूंक का काम करती थी। उसने पहले अपने बेटे बाबूलाल उरांव, फिर बहू सीता देवी, पोते मंजित उरांव और उसकी पत्नी रनिया देवी को झाड़फूंक का काम सिखाया था। बाबूलाल के परिवार से दूर-दूर के लोग झाड़-फूंक कराने उसके घर पहुंचते थे। टेटगामा गांव के लोगों का मानना था कि बाबूलाल उरांव की मां कागतो डायन है, उसने सिद्धि के लिए पति की बलि दे दी और वो डायन बन चुकी है।' वहीं, मोहनी देवी के मुताबिक, डायन वाली बात गलत है, कागतो देवी के पति की मौत बीमारी से हुई थी।' मोहिनी देवी के मुताबिक, 'टेटगामा गांव में पिछले 2 साल में गांव में 6 से ज्यादा लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो चुकी थी। इसके बाद टेटगामा गांव के लोग अपनी घर की महिलाओं को बाबूलाल और उसके घर की महिलाओं से दूर रहने को कहते थे।' लोग अपने घर की महिलाओं को बताते थे कि कागतो, उसकी बहू और पोते की पत्नी भी डायन है। बच्चों को बाबूलाल के परिवार से दूर रहने की नसीहत दी जाती थी।' '5 दिन पहले ही गांव के रहने वाले रामदेव उरांव के बेटे की अचानक तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई थी। छोटा बेटा भी बीमार था।' रामदेव के बेटे की मौत के बाद आदिवासी टोले और आसपास के गांव में ये अफवाह फैल गई कि रामदेव के बड़े बेटे के बाद बाबूलाल का परिवार उसके छोटे बेटे की बलि लेना चाहता है।' 6 जुलाई (रविवार) की रात हत्याकांड को अंजाम देने से पहले आदिवासियों के गांव टेटगामा में रात करीब 9:30 के आसपास पंचायत भी बैठी थी। पंचायत में पूरे गांव के पुरुषों को बुलाया गया था। गांव प्रमुख नकुल उरांव खुद पंचायत की अगुआई कर रहा था। पंचायत में बाबूलाल के परिवार को भी बुलाया गया, लेकिन वे लोग नहीं आए। इसके बाद पूरे परिवार की हत्या का प्लान कर भीड़ बाबूलाल के घर की ओर चली गई। घटना के चश्मदीद बाबूलाल के बड़े बेटे ललित उरांव और छोटे बेटे सोनू उरांव ने बताया, 'जब नकुल गांव के लोगों की भीड़ लेकर बाबूलाल के घर पहुंचा, घड़ी में रात के करीब 10 बज रहे थे। वे लोग खाना खाकर सोने की तैयारी में थे।' 'गांव वालों ने दरवाजा खोलने को कहा। गेट खोलते ही उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। छोटा बेटा सोनू ने किसी तरह खुद को बचाकर वहां से भाग निकला और नानी के घर जाकर पूरी बात बताई।' 'जब तक पुलिस को जानकारी दी जाती और पुलिस गांव में पहुंचती, पूरा गांव खाली हो चुका था। एक दो घर में सिर्फ महिलाएं और बच्चे ही थे।' ललित और सोनू उरांव अभी अपनी नानी के यहां ही हैं। पुलिस ने वारदात के बाद 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गांव का प्रमुख नकुल उरांव भी शामिल है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी नकुल उरांव ने भी वारदात से पहले पंचायत बैठने की बात कबूल की है। आरोपी नकुल ने बताया है, 'पंचायत के फैसले के बाद रात गए 10 बजे उसने 50 लोगों के साथ ओझा बाबू लाल उरांव के घर धावा बोला था।' उधर, पुलिस को जांच पड़ताल के दौरान बाबूलाल के घर से 100 मीटर की दूरी पर साड़ी, कपड़े, झाड़ फूंक का सामान, खून से सने टॉर्च और कई दूसरी चीजें भी मिली हैं। इधर, रात में फिर से ग्रामीणों की बैठक हुई और उसमें कातो देवी समेत बाबूलाल उरांव के पूरे परिवार को जिंदा जलाकर मारने का क्रूर फैसला लिया गया। देर रात अचानक हरवे हथियार से लैस भीड़ ने बाबूलाल उरांव समेत उनके अन्य भाईयों के घर को घेर लिया। बाबूलाल उरांव के परिवार के पांच सदस्यों को बंधक बनाकर घर से चंद कदम की दूरी पर लेकर चले गए। इधर, अन्य भाईयों को उनके घर में ही नजरबंद कर दिया गया और उनके मोबाइल आदि भी भीड़ ने अपने कब्जे में ले लिया। भाईयों व उनके परिवार को भी यह धमकी दी गई कि अगर उन लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो उन लोगों को भी जलाकर मार दिया जाएगा। उन्मादी भीड़ ने पांचों सदस्यों को एक साथ बांधकर उस पर पेट्रोल छिड़क दिया और फिर आग फूंक दी।

संक्षिप्त डायरी

सीएम नीतीश कुमार का युवाओं के लिए बड़ा एलान, बिहार युवा आयोग का गठन करेगी सरकार

पटना। बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यवासियों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने बिहार चुनाव से पहले राज्य में युवा आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है और आज कैबिनेट द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी भी दे दी गई है। समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा।सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे, जिनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले, साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा देने वाले शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए कार्यक्रम तैयार कर और ऐसे मामलों में सरकार को अनुशंसा भेजना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य है कि इस आयोग के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनें ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।बता दें कि सीएम नीतीश की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 10.30 यह बैठक शुरू हुई। बैठक में सीएम के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी समेत बिहार सरकार के सभी प्रमुख मंत्री और अधिकारी शामिल है। बैठक के मुख्य एजेंडों में राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क सुधार जैसे बुनियादी मुद्दे शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर के बाद अब नवादा में लहराया गया फलस्तीन का झंडा, ताजिया जुलूस के दौरान ऐसा हुआ

मुजफ्फरपुर। बाद अब नवादा में फलस्तीन का झंडा फहराया गया है। इस घटना का फोटो और वीडिया सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो सोनू नाम के युवक ने एक ग्रुप में शेयर किया। देखते ही देखते यह वायरल हो गया। लोग ऐसा करने वालों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार को ताजिया के जुलूस में बुंदेला बाग मैदान से डीएम ऑफिस के कर्बला तक निकले जुलूस में कुछ युवकों ने फलस्तीन का झंडा लहराया। यह झंडा पुलिस कैंप के पास एक गाड़ी पर लहराया गया। दरअसल, प्रशासन ने ताजिया जुलूस को लेकर जिलेभर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। जुलूस के सभी मार्ग पर सीसीटीवी लगाए गए थे और बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था की गई थी। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद थे। इसके बावजूद झंडा लहराने की घटना से स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।लोगों का कहना है कि इतनी सख्ती के बाद भी कुछ लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और दोषियों पर कार्रवाई करे। इधर, प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। अधिकारियों ने वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

स्कॉर्पियो और ऑटो की जोरदार टक्कर, तीन गंभीर रूप से घायल

सीवान। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्लोरी गांव के पास रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। घायलों में गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के आज्ञा मठिया गांव निवासी रामनरेश सिंह की पुत्री पूजा कुमारी, जो बी.एड की छात्रा है, और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के त्रिलोकी हटा पुलिस लाइन निवासी ई-रिक्शा चालक संजय राम शामिल हैं। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। पूजा कुमारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं, स्कॉर्पियो चालक का इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है।हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से सीवान सदर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया।

सूखा नशे को लेकर विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

एक हिरासत में, पुलिस जांच में जुटी

भागलपुर। जिला इन दिनों नशे के कारोबार और इसके बढ़ते सेवन से बुरी तरह प्रभावित है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में छोटे बच्चे, किशोर और युवा बड़ी संख्या में सूखे नशे की चपेट में आ चुके हैं। इसका दुष्प्रभाव समाज के हर तबके पर पड़ रहा है, लेकिन पुलिस-प्रशासन की ओर से इसकी रोकथाम को लेकर कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। इसी कड़ी में नवगछिया अनुमंडल के तेतरी गांव में बीते सोमवार देर रात नशे के दौरान हुए विवाद में अपराधियों ने 22 वर्षीय युवक साजन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया है। मृतक साजन कुमार सिंह उर्फ तेतरी पकरा दोनिया टोला निवासी सुभाष राय का बेटा था। जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात साजन कुछ अन्य युवकों के साथ तेतरी दुर्गा मंदिर के छत सामने, बजरंगबली मंदिर के पीछे स्थित एक बगीचे में चिमनी भट्ठा के समीप बैठकर सूखा नशा कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनमें विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि उन्हीं में से एक युवक ने साजन पर गोली चला दी। गोली साजन के सीने और पेट में लगी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने आनन-फानन में साजन को नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में मृतक की मां और अन्य स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के पिता सुभाष राय, जो ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ने बताया कि उनका बेटा पिछले कुछ समय से सूखे नशे की लत का शिकार हो गया था। उन्होंने कई बार उसे समझाने की कोशिश की थी, लेकिन वह अपने कुछ दोस्तों के साथ लगातार नशा करता था। उन्होंने कुछ युवकों पर आरोप लगाया कि वे साजन को जबरदस्ती इस दलदल में धकेल रहे थे और उसे बाहर निकलने नहीं दे रहे थे। पिता ने आशंका जताई कि इन्हीं युवकों में से किसी ने विवाद के दौरान साजन को गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही नवगछिया थानाध्यक्ष रविशंकर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। अनुमंडलीय अस्पताल में नवगछिया एसडीपीओ ओमप्रकाश ने भी परिजनों से मुलाकात कर पूरी जानकारी ली। वारदात के बाद तेतरी क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन अस्पताल में जमा हो गए थे।

पांच दिनों से लापता जमीन कारोबारी की बाइक बरामद

पटना। जिले के दानापुर अनुमंडल क्षेत्र के द्वारिकापुरी निवासी जमीन कारोबारी और एलआईसी एजेंट राम लड्डू प्रसाद पिछले 5 दिनों से लापता हैं। इस बीच उनकी बाइक खगोल थाना क्षेत्र के नेउरा कॉलोनी के पास लावारिस हालत में बरामद हुई है। परिजनों ने इस संबंध में दानापुर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर किसी अनहोनी की आशंका को लेकर परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। सोमवार को परिजनों और ग्रामीणों ने जमालुद्दीन चक स्थित खगोल-बिहटा मुख्य मार्ग को आगजनी कर जाम कर दिया। इस दौरान लोगों ने स्थानीय पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जाम के कारण सड़क पर घंटों यातायात ठप रहा। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस बल पहुंचा और लोगों को समझाने-बुझाने की कोशिश करता रहा, लेकिन लोग किसी भी कीमत पर जाम हटाने को तैयार नहीं हुए। परिजनों के अनुसार राम लड्डू प्रसाद 4 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे अपनी बाइक से घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिवार ने जब उनसे संपर्क करने की कोशिश की तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद जमीन कारोबारी के भतीजे पप्पू कुमार ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। परिवार का आरोप है कि उन्होंने पुलिस से मोबाइल लोकेशन ट्रेस कराने की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने मामले में गंभीरता नहीं दिखाई। वहीं कारोबारी की पत्नी नीतू देवी ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस से मदद मांगी, लेकिन वहां से भी कोई ठोस सहयोग नहीं मिला। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मोहब्बत की कीमत मौत से चुकाई! युवक की पीट-पीटकर हत्या

बेगूसराय। जिले के सिंघौल थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग को लेकर एक युवक की बेरहमी से पिटाई के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान डुमरी गांव निवासी 24 वर्षीय मोहम्मद तारीफ के रूप में हुई है। युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को लेकर कपूरी स्थान चौक पर प्रदर्शन किया और मुख्य सड़क को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर सदर डीएसपी सुबोध कुमार पहुंचे और लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम समाप्त कराया।मृतक की मां रोजी खातून ने 11 जून को सिंघौल थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि 9 जून की शाम मोहम्मद टूना और अरसे आलम उनके बेटे को बुलाकर ले गए थे। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। 10 जून को जब दोबारा खोजने निकले तो बेटा अधमरी हालत में छत से फेंका हुआ मिला। उसे गंभीर हालत में जंगल से उठाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मौत की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। परिजन और ग्रामीण शव लेकर कपूरी स्थान चौक पहुंचे और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मामले में थाने को आवेदन देने के बावजूद पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, उल्टे पैसों की मांग की गई। इस संबंध में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि मोहम्मद तारीफ संदिग्ध हालात में किसी और के घर में पकड़ा गया था, जिसके बाद उसकी पिटाई की गई। मां के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही थी। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। डीएसपी ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। परिजनों और ग्रामीणों की मांग है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई और इस तरह की तालिबानी सजा का शिकार न हो।

नालंदा में 10 से 17 जुलाई तक लंगोट मेला

नालंदा। पंचाने नदी के तट पर स्थित बाबा मणिराम अखाड़ा एक बार फिर आस्था के महाकुंभ की तैयारी में जुट गया है। बिहार शरीफ शहर के दक्षिणी भाग में पवित्र स्थल पर 10 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले लंगोट मेले को लेकर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। मंदिर परिसर में लिपाई-पुताई का काम पूरा हो चुका है। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार के झूले और दुकानें सजाई जा रही हैं। यह मेला केवल एक सामान्य आयोजन नहीं, बल्कि 700 वर्षों से भी अधिक पुरानी अटूट आस्था का जीवंत प्रतीक है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इस दरबार से कोई भी श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटता।

सदियों पुरानी मान्यता के अनुसार, मेले की औपचारिक शुरूआत पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से बाबा की समाधि पर प्रथम लंगोट चढ़ाने के साथ होगी। इसी पल से ₹बाबा मणिराम की जय₹ के जयघोष से पूरा शहर गुंज उठेगा। अगले सात दिनों तक न केवल जिले के कोने-कोने से, बल्कि प्रदेश भर से लाखों श्रद्धालु बाबा की समाधि पर लंगोट चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं मांगेंगे। इस पवित्र स्थल की महिमा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां मनोकामना पूर्ति के लिए आने वालों में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे कई राष्ट्रीय नेता शामिल हैं। यह तथ्य इस स्थान की व्यापक स्वीकार्यता और धार्मिक महत्व को दर्शाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संत शिरोमणि बाबा मणिराम का आगमन 1238 ईस्वी में अयोध्या से इस स्थान पर हुआ था। उन्होंने पिसत्ता घाट को अपनी तपोस्थली बनाया और ₹स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ तन₹ का संदेश देते हुए कुश्ती का अखाड़ा स्थापित किया। वर्ष 1300 में उन्होंने यहीं पर जीवित समाधि ली थी। इस प्रकार यह स्थान 785 वर्षों से निरंतर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर परिसर की एक विशेष बात यहां 13 वर्षों से अनवरत जल रही अखंड ज्योति है। श्री बाबा मणिराम अखाड़ा न्यास समिति के उपाध्यक्ष अमरकांत भारती ने बताया कि वर्ष 2012 में अयोध्या की बड़ी छावनी से यह पवित्र ज्योति लाई गई थी, जो तब से निरंतर प्रज्ज्वलित है। यह ज्योति निरंतरता और आस्था के अटूट रिश्ते का प्रतीक बन गई है। न्यास समिति के उपाध्यक्ष अमरकांत भारती ने बताया कि इस वर्ष मेले को और भी भव्य बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस मेले का उद्घाटन करने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष पंडाल, ठहरने की उचित व्यवस्था और 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया गया है। मेले की समाप्ति पर पहली बार बनारस के पंडितों द्वारा भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा, जो एक नया आकर्षण होगा। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए बच्चों के लिए ड्रैगन, ब्रेक डांस और टावर झूले लगाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए श्रृंगार की विविध दुकानें और स्थानीय व्यंजनों के लिए तरह-तरह के चाट-पकौड़ों के स्टॉल भी व्यापक रूप में स्थापित किए जा रहे हैं। मेले का संपूर्ण प्रबंधन अनुमंडलाधिकारी की अध्यक्षता वाली न्यास समिति द्वारा किया जाता है। यह समिति प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम करती है और मेले की सफलता सुनिश्चित करती है। आस्था के इस महाकुंभ में शामिल होने के लिए देश भर से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। 700 से अधिक वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत और प्रासंगिक है, जितनी कभी थी।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

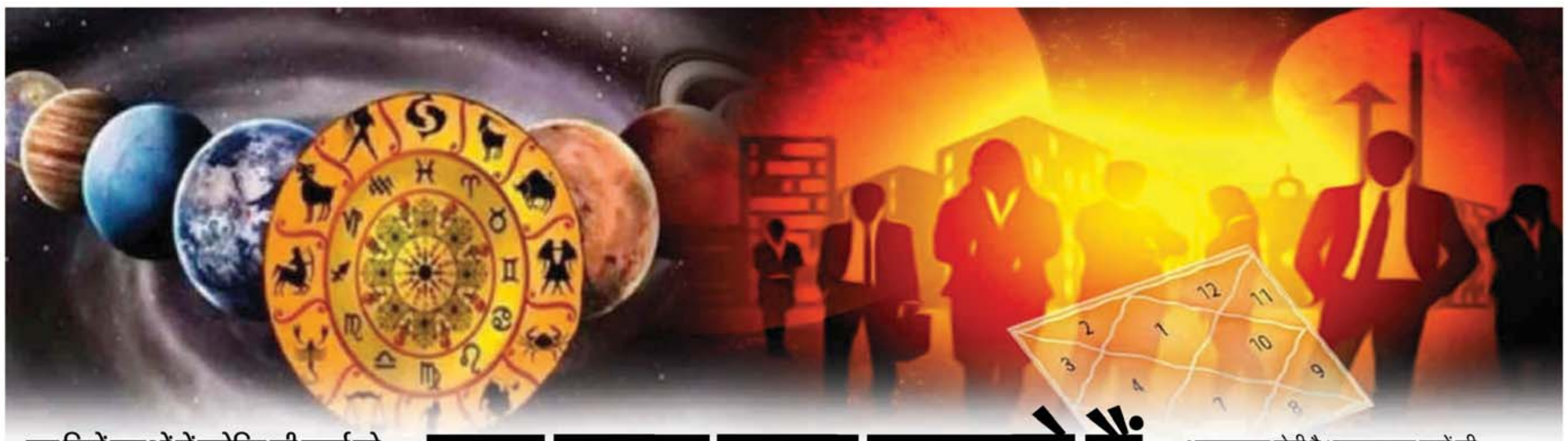

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

आरसीबी ने सीएसके और एमआई को पछाड़ा, आईपीएल ब्रांड वैल्यू में बनी नंबर-1 टीम

मुंबई (एजेंसी)। 17 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल 2025 में आरसीबी ने आखिरकार अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाई। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के साथ उनको मैदान के बाहर भी जीत दर्ज हुई है। आरसीबी आईपीएल के वित्तीय परिदृश्य में एक मील का पत्थर साबित हुई है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स को पछाड़ते हुए लीग की सबसे वैल्यूएबल फ्रेंचाइजी बन गई है। इस कामयाबी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स का वैल्यूएशन चार्ट में टॉप पर रहने की बादशाहत खत्म हो गई है।

वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोकी की एक रिपोर्ट्के अनुसार, आईपीएल का मूल्यांकन 12.9 प्रतिशतक बढ्ऱकर 18.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल में आईपीएल का स्टैंड-अलोन ब्रांड मूल्य 13.8 प्रतिसथ बढ़कर 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में आईपीएल के बढ़ते आकर्षण को भी बताया गया है। बीसीसीआई की चार सहयोगी प्रायोजक स्लॉट- माय11 सर्किल, एंजेल वन, रुपे और सीएट की ब्रिकी से 1,485 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो पिछले चक्र से 25 प्रतिसत ज्यादा है। दूसरी ओर, टूर्नामेंट ने 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पांच साल के सौदे में टाटा समूह के साथ 2028 तक अपनी टाइटल-प्रायोजन प्रतिबद्धता को भी बढ़ाया।

आईपीएल फ्रेंचाइजी की बात करें तो 2025 की चैंपियन आरसीबी ने 269 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ टॉप पर काबिज है। जो पिछले साल 227 मिलियन अमरीकी डॉलर से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस 2024 में 204 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर इस साल 242 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गई। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स 235 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।' क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता। क्रॉली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में एक अर्धशतक लगाया है। बॉयकॉट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह बदल सकते हैं या बेहतर हो सकते हैं। बल्लेबाजी दिमाग में होती है और दिमाग ही तय करता है कि आप बल्लेबाजी कैसे करेंगे, आप कौन से शॉट खेलने की कोशिश करेंगे, कौन सी गेंदें छोड़ेंगे। तकनीक और सोच में उनकी खामियां गहरी हैं।'

आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर दीप्ति शर्मा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नए अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी और उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है।

पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो। उन्होंने कहा, 'यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा।'

2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा, 'देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी।'

आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वकलोंड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे।'

मैकुलम ने कहा, 'यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।'

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , 卐बैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे। शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरु करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ीं, शारीरिक शोषण मामले में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद ।ऑयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है. पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरुआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मातिगिमु पर खतरनाक खेल के लिए जुर्माना लगा, डिमेरिट अंक भी मिला

बुलावायो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज कुंदई मातिगिमु पर यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 'अनुचित और खतरनाक' तरीके से गेंद फेंकने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 72वें ओवर के दौरान हुई जब मातिगिमु ने गेंदबाजी करने के बाद वापसी आई गेंद को रोका और बल्लेबाज लुआन डि प्रीटोरियस की ओर फेंका जो उनकी कलाई पर लगी।

मातिगिमु ने खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम

2.9 का उल्लंघन किया। आईसीसी ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि यह 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित और/या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने' से संबंधित है। इस तेज गेंदबाज ने अपराध और मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया जिससे औपचारिक सुनवाई नहीं हुई।

यह 24 महीने की अवधि में जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज का पहला अपराध था। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन की बदौलत पहली पारी पांच विकेट पर 626 रन बनाकर घोषित की। जिम्बाब्वे को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और उस पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है।

सीसीएल चैंपियंस 'पंजाब दे शेर' को पंजाब के राज्यपाल ने किया सम्मानित

चंडीगढ़ ।फिलमी सितारों और कॉर्पोरेट उत्कृष्टता का शानदार संगम देखने को मिला जब सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सी.सी.एल.) सीजन-11 की विजेता टीम 'पंजाब दे शेर' को पंजाब एंजेल्स नेटवर्क द्वारा आयोजित भव्य समारोह 'ए नाइट विद द चैंपियंस' में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया थे। इस कार्यक्रम में राज्य की प्रतिष्ठित हस्तियों जिनमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, प्रसिद्ध कलाकार और खेल प्रेमी शामिल हुए। फिलमी सितारों से सजी शाम कार्यक्रम में टीम के मालिक पुनीत सिंह, नवराज हंस और करन गिल्होत्रा, हंसराज हंस और जस्पिंदर नरूला और कई लोकप्रिय सितारे जैसे अपारशक्ति खुराना, ऐमी विर्क, बिन्नू ढिल्लों, हार्डी संधू, मीट ब्रदर्स के मनमीत सिंह, सुय्यश राय, अनुज खुराना, राहुल जेटली, मयूर मेहता, बलराज सयाल, गवी चहल, दक्ष, गुलजार, निंजा, जस्सी गिल, बबल राय, युवराज हंस सहित अन्य कई जाने-माने चेहरों ने भाग लिया। 'पंजाब दे शेर' की विजयी कहानी पंजाब दे शेर ने फाइनल मुकाबले में चेन्नई राइनोज़ को 8 विकेट से हराकर सी.सी.एल.11 का खिताब जीता। टीम के कप्तान हार्डी संधू के नेतृत्व में पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने विजेता टीम को बधाई दी। इस मौके पुनीत सिंह, टीम मालिक ने कहा कि यह जीत केवल टीम की नहीं, बल्कि उन सभी प्रशंसकों की है जिन्होंने हर मैच में हमारा हौसला बढ़ाया।

सौरव गांगुली के जन्मदिन पर बीसीसीआई ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली मंगलवार को 53 साल के हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने पूर्व अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके आंकड़ों पर प्रकाश डाला है। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, '424 अंतरराष्ट्रीय मैच, 18,575 अंतरराष्ट्रीय रन, 38 अंतरराष्ट्रीय शतक। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसका जवाब देते हुए सौरव गांगुली ने लिखा, 'धन्यवाद बीसीसीआई। दुनिया का सबसे बेहतरीन खेल संगठन।'

साल 1992 के 'बेन्सन एंड हेजेस वर्ल्ड सीरीज' में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के बाद, गांगुली ने 16 वर्षों तक देश की सेवा की। बीसीसीआई ने सौरव गांगुली से जुड़े जिन आंकड़ों को साझा किया है, वह बेहद खास हैं। आइए, इसे विस्तार से समझते हैं। सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले। गांगुली को भारत के सबसे महान कप्तान और बाएं हाथ के बल्लेबाजों में गिना जाता है, खासकर वनडे में उनका रिकॉर्ड शानदार है। जनवरी 1992 में वनडे करियर की शुरुआत करने वाले गांगुली ने 300 पारियों में 41.02 की औसत के साथ 11,363 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 72 अर्धशतक आए। इस फॉर्मेट में 'दादा' का सर्वोच्च स्कोर 183 रन है। वनडे करियर की शुरुआत के करीब चार साल बाद गांगुली को टेस्ट में भी डेब्यू का मौका मिला। उन्होंने इस फॉर्मेट में 188 पारियां खेलीं, जिसमें 42.17 की औसत के साथ 7,212 रन जड़े। इस दौरान 16 शतक और 35 अर्धशतक देखने को मिले।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, 'इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़ो।'

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, 'यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी।' यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, 'इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।'

उन्होंने कहा, 'वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।' यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, 'वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।'

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए।' नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, 'इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले।' उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, 'हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।'

विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद 5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आत्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है। वहीं दूसरे टेस्ट में शुभमन के दोहरे शतक के बाद कोहली ने उनकी जमकर तारीफ की थी। इससे माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शुभमन भी विराट की तरह ही जीत दिलाएंगे। शुभमन गिल अपनी कप्तानी में इंग्लैंड में शानदार बल्लेबाजी के साथ साथ विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं।

महिला ने कावड़ पर थूकने का लगाया आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। सावन का महीना शुरु होने वाला है भगवान शिव के भक्त कावड़ लेकर चलते हैं लेकिन काफी समय से कावड़ यात्रा को लेकर विवाद हो रहे हैं। कई बार कावड़ियों का उग्र व्यव्हार लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है। यात्रा के दौरान कई अप्रिय घटनाओं के होने का संदेह होता है इसलिए सरकार कावड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करती है। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में एक महिला श्रद्धालु की कांवड़ पर थूकने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कथित घटना सोमवार की है जब महिला हरिद्वार से गंगा जल लेकर घर लौट रही थी और पुरकाजी में आराम करने रुकी थी। तो उसके कावड़ पर कथित रुप से आरोपी ने थूक दिया। इसके बाद वहां कुछ लोग एकत्र हो गए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामला शांत करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के परिवार ने दावा किया कि उनका बेटा मूक-बधिर है और मानसिक रूप से अस्वस्थ है। महिला तीर्थयात्री को यात्रा फिर से शुरू करने के लिए हरिद्वार से लाया गया एक नई कांवड़ उपलब्ध कराई गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर हिमांशु सूद गिरफ्तार, पंजाब पुलिस की स्पेशल टीम की कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की टारगेट किलिंग की साजिश को नाकाम कर शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। हिमांशु कपूरथला जिले के फगवाड़ा का निवासी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हिमांशु, दुबई में बैठे लॉरेंस बिश्नोई के करीबी नामित शर्मा के निर्देशों पर काम कर रहा था। हाल ही में हिमांशु और उसके साथियों ने शर्मा के कहने पर हरिद्वार में एक होटल कारोबारी पर गोली चलाई थी। शूटर हिमांशु को मध्य प्रदेश में एक और पंजाब के कपूरथला में दूसरे व्यक्ति की हत्या करने का टारगेट दिया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने शूटर सूद के पास से दो पिस्तौल (.30 बोर की पीएक्स3 पिस्टल के साथ चार जिंदा कारतूस और एक .32 बोर की पिस्टल के साथ तीन जिंदा कारतूस) और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अब मामले में थाना स्पेशल सेल (एसएसओसी) अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। डीजीपी यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। लॉरेंस बिश्नोई जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क से जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

नाबालिग का अपहरण कर ट्रेन में किया दुष्कर्म, स्टेशन पर लड़की को छोड़कर भागा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने ने बताया कि इस युवक ने लड़की का अहपरण कर अकोला ले जाते हुए ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की डोंबिवली इलाके के मनपाड़ा में आदिवली की रहने वाली है। जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि 20 साल के आरोपी ने 30 जून को लड़की को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में रहने वाले युवक के माता-पिता ने उसे और लड़की को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, इसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर चला गया। अकोला जीआरपी ने लड़की को स्टेशन पर देखा तो उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याण जीआरपी ने रविवार को युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

कंगना रनौत पर प्रतिभा सिंह का पलटवार, बोलीं :अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती भाजपा सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद और खेदजनक स्थिति है। मैं भी सांसद रही हूं। मुझे पता है कि भारत सरकार हमें कितना पैसा आवंटित करती है, जो लोगों में बांटा जाता है और यह राहत कार्यों के लिए होता है। चाहे वह कोई आपदा हो या कोई अन्य समस्या, सांसद निधि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि मुझे समझ नहीं आया कि यह सब कहते समय उनके मन में क्या था। आज, खासकर मंडी के लोग इस बात का अफसोस कर रहे हैं कि हमने बहुत बड़ी गलती कर दी। बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से मंडी संसदीय क्षेत्र में तबाही मचने के कुछ दिन बाद भाजपा सांसद ने रविवार को क्षेत्र का दौरा किया और राहत कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा था कि राहत और पुनर्बहाली कार्य राज्य सरकार की जिम्मेदारी है तथा एक सांसद केवल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को स्थिति से अवगत करा सकता है एवं केंद्रीय सहायता का अनुरोध कर सकता है। पलटवार करते हुए सिंह ने कहा, ''मंडी राज्य का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिमाचल के दो-तिहाई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सांसद कह रही हैं कि उनके पास कोई फंड, एजेंसियां ??या कैबिनेट नहीं है।'' सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसे बयानों से पता चलता है कि कंगना अपने काम को गंभीरता से नहीं ले रही हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का अपमान, कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को दिखाता : गौरव भाटिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयान पर माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने देश की प्रथम महिला आदिवासी राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, यह दलित और आदिवासी समुदायों का अपमान है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी से माफी की मांग की।

दरअसल भाटिया ने प्रेसवार्ता कर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का जानबूझकर अपमान किया है। क्या यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जो खुद को संविधान की रक्षक बताती है? जिस पार्टी के नेता हाथ में संविधान की प्रति लेकर जनता के सामने नारे लगाते हैं, वहीं पार्टी के नेता देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों का इस तरह से अपमान करते हैं। इस तरह के बयान कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को प्रदर्शित करते है।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि यह बयान आदिवासी, महिला और दलित विरोधी मानसिकता का घिनौना प्रदर्शन है। यह कांग्रेस की गिरी हुई राजनीतिक सोच का उदाहरण है। देश आज इन बयानों पर थू-थू कर रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेकर उन्होंने कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस में इतनी कटुता और नफरत क्यों भरी हुई है? क्या यह वहीं कांग्रेस है, जो कि दशकों तक सत्ता में रहते हुए वंचित वर्गों के अधिकारों की अनदेखी की?

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस खुद को पीड़ित दिखाने में जुटी है, जबकि असल में भूमि हड़पने वालों का इतिहास कांग्रेस परिवार से जुड़ा है। जिस तथाकथित नकली गांधी परिवार से रॉबर्ट वाड्रा ताल्लुक रखते हैं, वहीं असल में जमीन कब्जाने का जीवंत उदाहरण है। आज जब एक गरीब, आदिवासी, मेहनतकश महिला देश की राष्ट्रपति बनी हैं, तब कांग्रेस के नेताओं को यह रास नहीं आ रहा।

बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस से माफी की मांग कर कहा कि भारत की जनता अब जाग चुकी है और इसतरह के घृणास्पद विचारों को सिरे से खारिज करेगी। खड़गे का बयान केवल व्यक्तिगत दुर्भावना नहीं है, यह देश की आत्मा और संविधान के मूल मूल्यों पर सीधा हमला है।

गिरिराज सिंह ने... बिहार में अपराधिक घटनाओं को नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक गैंग के जरिए सोची-समझी साजिश के साथ इस तरह के अपराध से बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा, नीतीश कुमार को बदनाम करने, आतंक फैलाने, अपराध करने और राजनीतिक समर्थन वाले अपराध को बढ़ावा देने की साजिश रची है। कुछ लोग जानबूझकर नीतीश की छवि खराब करने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, लेकिन साजिश के पीछे की सच्चाई सामने आने वाली है। एक खास राजनीतिक गिरोह के द्वारा बिहार के कई इलाकों में राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अशांति फैलाई जा रही है।तेजस्वी यादव के आरोपों पर भी केंद्रीय मंत्री सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, उछल-उछल कर कुछ लोग पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर जाकर कह रहे थे कि अपराधी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार में तेजस्वी कह रहे थे कि जंगलराज है, लेकिन यहां कार्रवाई भी हो रही है। उन्होंने लालू यादव के कार्यकाल को भी याद कराया। लालू के राज में क्या हो रहा था? सीएम हाउस में बैठाकर अपराधियों की पंचायत होती थी। लालू राज में यही हो रहा था। लालू की सरकार में वे अपराधियों को संरक्षित करते थे।

आगे कुआं पीछे खाई : ठाकरे बंधुओं के साथ आने से कांग्रेस की बढ़ी मुसीबत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने से भाजपा को परेशानी बढ़ सकती है और महाराष्ट्र के राजनैतिक समीकरण बदल सकते हैं। ये सब आम आदमी के लिए सोचना बहुत आसान है, लेकिन इसके पीछे जो राजैतिक पंडित अपना आकलन कर रहे हैं वो काफी चौंकाने वाला है। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कतें कांग्रेस की बढ़ी है। कहा जा रहा है कि बिहार चुनाव ने भी कांग्रेस की दुविधा और बढ़ा दी है, क्योंकि पार्टी राज ठाकरे के साथ नजर आई, तो इसका असर पड़ सकता है। राज को उत्तर भारतीय विरोधी और हिंदी विरोधी के तौर पर देखा जाता है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, हमें हिंदी पर एक स्पष्ट निर्देश की जरूरत थी। हम खुलकर आंदोलन में सिर्फ इसलिए शामिल नहीं हुए, क्योंकि यह हिंदी विरोधी संदेश देता है। यह सेक्युलरिज्म पर बहस जैसा है। हम बहुत धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं और हमें मुस्लिम समर्थक के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में जब हाईकमान से कोई निर्देश नहीं होंगे, तो हम कैसे संदेश आगे बढ़ाएंगे।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं, वो अधूरे मन से दिया गया न्योता था। हमारे नेताओं को बुलाया गया था। एनसीपी कार्यक्रम में गई थी, लेकिन उनका अपमान किया गया। उनके नेताओं को बोलने के लिए भी नहीं बुलाया गया। ठाकरे मराठी आंदोलन का पूरा क्रेडिट लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि हम नहीं गए, क्योंकि कांग्रेस हिंदी विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं थी। अजीबोगरीब बयानों के बाद भी हमारे नेताओं ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि उन्हें दिल्ली के निर्देशों की स्पष्ट जानकारी नहीं थी। एक नेता ने कहा, ठाकरे बंधुओं की नजर सिर्फ बीएमसी चुनाव पर है और हम वो अकेले लड़ना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए किसी से गठबंधन नहीं किया था।एक अन्य नेता ने अखबार को बताया, ठाकरे ने यह सब सिर्फ बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए किया है। हमारे विधायकों का मानना है कि हमें अकेले लड़ना चाहिए। हमारे पास जो जगह है, हम उसे छोड़ नहीं सकते। जब हम (उद्धव सेना) के साथ जाते हैं, तो अल्पसंख्यक वोट बैंक शिवसेना के साथ जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने कहा, यह एक जटिल स्थिति है। कांग्रेस के पास मुंबई में खास जनाधार नहीं है। हम ना ही मराठी मानूस के साथ हैं और ना ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार सिर्फ अल्पसंख्यकों में है, जो कुछ उन जगहों पर है जहां सपा और एआईएएमआईएम उम्मीदवार उतारते हैं। उत्तर भारतीयों में हमारा थोड़ा जनाधार है, जो कि अगर राज के साथ हम नजर आए तो वो भी चला जाएगा।

बिहार में पीके से घबराया महागठबंधन तो बीजेपी को भी सता रहा डर

-जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता ने चुनावी समीकरण बिगाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत किशोर अब बिहार की राजनीति के सबसे चर्चित चेहरे बन चुके हैं। उनकी पार्टी जन सुराज ने सिर्फ दो साल में ही राज्य की राजनीति में ऐसा असर डाला है कि न सिर्फ महागठबंधन परेशान है, बल्कि बीजेपी भी चिंतित है। प्रशांत की जन सुराज यात्रा ने बिहार के कोने-कोने में पहुंचकर जनता से सीधा संवाद किया और राज्य की पारंपरिक जातिगत राजनीति में नया मोड़ ला दिया। पहले जिन्हें विपक्ष बीजेपी की बी टीम कहकर खारिज करता था, आज वही जनसुराज बीजेपी के परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर रही है।

बिहार की राजनीति में सालों से उपेक्षित महसूस कर रहे ब्राह्मण और भूमिहार समुदाय को पहली बार महसूस हो रहा है कि उनका कोई नेता सीएम पद की दौड़ में दावेदार बनकर उभरा है। भले ही प्रशांत किशोर बार-बार यह कहते हैं कि वह सीएम बनने की महत्वाकांक्षा नहीं रखते, लेकिन उनके समर्थक गांव-गांव में प्रचार कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर ही राज्य का भविष्य हैं।

बीजेपी के लिए यह चिंता की बात है, क्योंकि वह अब तक सवर्णों के समर्थन को सुनिश्चित मानती थी लेकिन जन सुराज की

बढ़ती लोकप्रियता ने यह समीकरण बिगाड़ दिया है। महज कुछ फीसदी वोटों का इधर-उधर होना भी सीटों का गणित बदल सकता है और यही कारण है कि बीजेपी के प्रत्याशी बेचैन हैं। प्रशांत ने जातीय समीकरणों को साधने के लिए ब्राह्मण, राजपूत, दलित, कुर्मी फॉर्मूला अपनाया है। इस फॉर्मूले के जरिए जनसुराज ने कई समुदायों को एक मंच पर लाने की कोशिश की है।

राजपूत वोटरों को साधने के लिए पूर्व सांसद उदय सिंह (पप्पू) को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। दलित समुदाय को जोड़ने के लिए मनोज भारती को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अति पिछड़ा वर्ग 36.01 फीसदी और मुस्लिम समुदाय 17.70फीसदी को भी रणनीति का हिस्सा बनाया है। पार्टी ने मुस्लिम समुदाय के लिए 40 विधानसभा सीटें रिजर्व कर रखी हैं और आर्थिक मदद का वादा भी किया है।

प्रशांत ने युवा वोटरों को प्रभावित करने के लिए पलायन, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर फोकस किया है। उन्होंने लोगों से यह नहीं कहा कि किसे वोट देना है, बल्कि उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि वोट क्यों देना चाहिए। उनकी कंबल पॉलिटिक्स जिसमें गरीबों को ठंड में कंबल और जरूरतमंदों को मदद दी जाती है जमीन पर लोकप्रियता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करने वाले प्रशांत किशोर ने अब बीजेपी और पीएम मोदी को भी निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर', भारत-पाक युद्धविराम और हिंदुत्व के मुद्दों पर उनकी सीधी आलोचना ने बीजेपी को असहज कर दिया है। बीजेपी जानती है कि जब कांग्रेस या आरजेडी हिंदुत्व पर हमला करते हैं तो यह उसके लिए फायदेमंद होता है, लेकिन जब प्रशांत वही बात करते हैं, तो जनता उसे गंभीरता से लेती है। यही कारण है कि बीजेपी के लिए प्रशांत का नैरेटिव खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत की राजनीति में यात्राओं की अहमियत को कोई नकार नहीं सकता। चाहे वह लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा हो या राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा। प्रशांत की जन सुराज यात्रा भी इसी श्रेणी में आती है। 2022 से शुरू हुई इस यात्रा ने न सिर्फ लोगों को जागरूक किया, बल्कि बिहार में एक नए विकल्प की जमीन भी तैयार कर दी है। पीके की जनसुराज पार्टी ने बिहार की जातिगत राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। वे न केवल सवर्ण वोटरों को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि ओबीसी, दलित और मुस्लिम वर्ग में भी अपनी जगह बना रहे हैं। महागठबंधन के लिए तो खतरे की घंटी है ही, बीजेपी के लिए यह चुनौती कहीं ज्यादा गंभीर और गहरी है।

निशिकांत दुबे की टिप्पणी पर सीएम फडणवीस, उन्होंने आम मराठी लोगों के लिए नहीं कहा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है, जिस बयान ने राज्य में विवाद खड़ा कर दिया है। सीएम फडणवीस ने स्पष्ट किया कि दुबे की टिप्पणी आम मराठी लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन संगठनों के लिए थी, जिनके बारे में सांसद दुबे का मानना है कि वे इस विवाद को हवा दे रहे हैं।

सीएम फडणवीस ने कहा, बीजेपी सांसद दुबे ने जो कहा है, वह आम मराठी लोगों के लिए नहीं बल्कि उन संगठनों के लिए कहा है, जिन्होंने इस विवाद को हवा दी है। हालांकि, सीएम ने दुबे की टिप्पणी के विषय-वस्तु से खुद को अलग करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सांसद दुबे का बयान पूरी तरह से सही नहीं है।

उन्होंने देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान पर जोर देकर कहा, देश की प्रगति में महाराष्ट्र के योगदान को कोई नकार नहीं सकता या भूल नहीं सकता, और अगर कोई ऐसा करता है, तब यह पूरी तरह से गलत होगा। फडणवीस ने कहा कि मेरे विचार से इस तरीके का बयान देना योग्य नहीं है, क्योंकि उसका जो मतलब निकलता है वह लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है।

दरअसल यह स्पष्टीकरण मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणी पर सांसद दुबे की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद उठे राजनीतिक तूफान को लेकर आया है। राज ठाकरे ने कथित तौर पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया था कि वे मारें, लेकिन वीडियो न बनाएं, जो मराठी में बात करने के लिए तैयार नहीं व्यक्तियों का जिक्र कर रहे थे।

जवाब में सांसद दुबे ने कहा था, क्या कर रहे हो, किसकी रोटी खा रहे हो? तुम लोग हमारे पैसे से जी रहे हो। तुम्हारे पास किस तरह के उद्योग हैं? झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में सारी खदानें हमारी हैं। तुम्हारे पास कौन सी खदानें हैं? सारी सेमीकंडक्टर रिफाइनरियाँ गुजरात में हैं। हिंदी भाषी लोगों के प्रति आक्रामकता के पीछे की मंशा को चुनौती देकर दुबे ने कहा कि अगर आपमें हिंदी बोलने वालों को पीटने की हिम्मत है, तब उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटें।

भारत में रेस्पिरेटरी सिंसिशियल वायरस के प्रति जागरूकता और टीकाकरण की सख्त जरूरत

एजेंसी

पटना : भारत के मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार छोटे बच्चों में तेजी से फैलने वाली एक गंभीर बीमारी- रेस्पिरेटरी सिंसिशियल वायरस पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। यह एक ऐसा वायरस है, जो पाँच साल से छोटे बच्चों और नवजातों के सीने में इन्फेक्शन करता है, और बहुत तेजी से फैलता है, यानि छोटे बच्चों के यह फेफड़ों में संक्रमण का बड़ा कारण बनता है। आरएसवी को अक्सर लोग मामूली मौसमी सर्दी-खाँसी समझ बैठते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि हर साल दुनिया भर के पाँच साल से कम उम्र के करीब 36 लाख बच्चों को इसके कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है और करीब 1 लाख बच्चों की जान चली जाती है। भारत में हर साल लगभग 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है, जिससे इस बीमारी का बोझ हमारे देश पर भी काफी भारी पड़ता है। खासतौर पर, मानसून और सर्दी की शुरूआत में तो हालात और बिगड़ जाते हैं, जब नवजात शिशु आईसीयू में भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरएसवी का असर सिर्फ बीमार या कमजोर बच्चों पर नहीं होता, बल्कि कई बार बिल्कुल स्वस्थ और समय पर जन्मे बच्चों को भी ऑक्सीजन या वेंटिलेटर की जरूरत पड़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता और डॉक्टर दोनों ही इस वायरस को लेकर सतर्क रहें और जो बचाव के तरीके उपलब्ध हैं, उनके बारे में जागरूक रहें, ताकि मासूम बच्चों की ज़िंदगी को इस खतरनाक वायरस से बचाया जा सके। भारतीय पीडियाट्रिक्स एकेडमी के मौजूदा नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. वसंत एम. खलटकर ने कहा, आरएसवी आज भी छोटे बच्चों की सेहत के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हाथ धोने जैसे सफाई के उपाय जरूरी हैं, लेकिन एक साल से छोटे बच्चों के लिए सिर्फ ये ही काफी नहीं होते। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो लंबी अवधि तक असर करने वाले मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को लेकर सिफारिश की है और भारत में अब ये उपाय उपलब्ध हो रहे हैं, तो हमारे पास अब नन्हें बच्चों को आरएसवी से बचाने के लिए बेहद जरूरी साधन मौजूद हैं।

रनवे पर था विमान तभी दूसरा विमान आ गया, सतर्कता से टला बड़ा हादसा

-एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को दिया गो-अराउंड का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टल गया, जब रनवे पर एक विमान पहले से खड़ा था। इसी दौरान दूसरा विमान भी आ गया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल और विमान के पायलटों की सतर्कता से स्थिति को संभाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कई लोगों की जान बच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक फ्लाइट के रनवे पर धीमे होने के कारण यह स्थिति बनी। ये फ्लाइट तय जगह से पहले रनवे खाली न होने के कारण यह स्थिति बनी। इससे पीछे आ रहे विमान के बीच की दूरी कम हो गई। स्विस एयरलाइंस की फ्लाइट एलएक्स146 ज्यूरिख से दिल्ली आ रही थी। उसी समय एक और विमान फुकेत से आ रहा था। फुकेत से आ रहा विमान रनवे पर धीरे हो गया। इससे दोनों विमानों के बीच की दूरी कम हो गई। एटीसी ने स्विस एयरलाइंस के विमान को गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। गो-अराउंड का मतलब है कि फ्लाइट को रनवे पर उतरने के बजाय फिर से उड़ान भरनी होती है।

स्विस एयरबस ए330 विमान को एटीसी ने 1400 फीट की ऊंचाई पर गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। विमान दूसरी बार में सुरक्षित उतरा गया। यह घटना रविवार रात 11.40 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घटी। स्विस एलएक्सए146 विमान ज्यूरिख से आ रहा था। उससे पहले एक और विमान फुकेत से आ रहा था। एटसी और पायलटों की समझदारी से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

रिपोर्ट में एक वरिष्ठ एटीसी अधिकारी के मुताबिक फुकेत से आ रहा विमान रनवे 11आर से चार नॉटिकल मील दूर था। एलएक्स146 विमान उससे आठ नॉटिकल मील पीछे था। फुकेत वाले विमान ने अंतिम अप्रोच पर अपनी गति कम कर दी। इसके बाद, एटीसी ने स्विस विमान को अपनी स्पीड कम करने को कहा। एटीसी को उम्मीद थी कि फुकेत से आ रहा विमान रनवे से जल्द ही हट जाएगा। रनवे 11आर पर वॉय1 नाम का एक रैपिड एग्जिट टैक्सीवे है। टैक्सीवे एक तरह का रास्ता होता है, जिससे विमान रनवे से जल्द हट जाता है। अगर फुकेत से आ रहा विमान वॉय1 टैक्सीवे से हट जाता, तो स्विस एयरलाइंस का विमान सुरक्षित उतर सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एटीसी ने स्विस विमान को कंटिन्यू अप्रोच करने को कहा। चूंकि पहला विमान समय पर रनवे खाली नहीं कर सका, इसलिए एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को सुरक्षा कारणों से गो अराउंड करने या एक मिस्ड एप्रोच करने को कहा। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों से पता चलता है कि लुफ्थांसा ग्रुप के विमान ने ऐसा तब किया जब वह 1400 फीट की ऊंचाई पर था। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों के मुताबिक यह 11.51 बजे अपने दूसरे प्रयास में सुरक्षित रूप से उतरा।

उस समय, दिल्ली में पूर्वी हवाएं चल रही थीं। यह मानसून के मौसम में आम है। आईजीआईए का मुख्य रनवे 10/28 15 जून से मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया है। तीन चालू रनवे और पूर्वी हवाओं के साथ, दिल्ली में एक घंटे में अधिकतम 32 फ्लाइट्स उतरती हैं। दिल्ली में उड़ानों की संख्या कम कर दी गई है। फिर भी एटीसी

और पायलटों को विमानों की आवाजाही को अधिकतम करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक एटीसी सूत्र ने बताया कि वह अनुभवी कर्मचारियों की कमी के बीच काम कर रहे हैं। चाहे दिल्ली हो या मुंबई, संकट की स्थिति में गलती की गुंजाइश कम होती है। एक विमान का धीमा होना या रनवे खाली करने में ज्यादा समय लगना मतलब सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियल टाइम में तुरंत फैसला लेना जरूरी है। इस घटना से पता चलता है कि एटीसी और पायलटों की सतर्कता कितनी जरूरी है। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि हवाई यात्रा में सुरक्षा कितनी अहम है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**